E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 110 | प्रयागराज, बुधवार 08 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

खामेनेई का पार्थिव शरीर कोम पहुंचा यहां से अंतिम यात्रा निकाली जाएगी,यहां से पूर्व सुप्रीम लीडर ने धार्मिक शिक्षा हासिल की

तेहरान। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर सोमवार शाम तेहरान से कोम पहुंच गया। ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर के जरिए पार्थिव शरीर को कोम लाया गया, जहां मंगलवार को अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्में होंगी। कोम वही शहर है, जहां उन्होंने धार्मिक शिक्षा हासिल की थी। बाद में ईरान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक नेताओं में शामिल हुए। कोम को शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र माना जाता है।इससे पहले तेहरान में तीसरे दिन भी लाखों लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। लोगों ने खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के ताबूतों पर फूल बरसाकर श्रद्धांजलि दी। कोम में अंतिम यात्रा के बाद खामेनेई के पार्थिव शरीर को उनके गृह नगर मशहद ले जाया जाएगा। गुरुवार को उन्हें इमाम रजा दरगाह परिसर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-1.तेहरान में खामेनेई की अंतिम यात्रा में जनसैलाबः तेहरान में निकली अंतिम यात्रा में लाखों लोग जुटे। भारी भीड़ के कारण ताबूत लेकर

चल रहा वाहन कई जगह धीमा पड़ा और आजादी स्ट्रीट पर कुछ देर के लिए रुकना भी पड़ा। 2. खामेनेई का पार्थिव शरीर कोम पहुंचाः तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक रस्मों के लिए कोम ले जाया गया। गुरुवार को उनके गृह नगर मशहद में दफन किया जाएगा। 3. ईरान में खामेनेई के बदले की मांग तेजः अंतिम यात्रा में लाल झंडे और 'या लथारत अल-खामेनेई' के नारे गूंजे। समर्थकों ने खामेनेई की हत्या का बदला लेने की मांग दोहराई।4 ईरानी नेताओं की दो टूक चेतावनीः राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अंतिम यात्रा को खामेनेई के रास्ते पर चलने का संकल्प बताया। सेना प्रमुख अमीर हातमी ने कहा कि हत्या करने वालों का पीछा नहीं छोड़ा जाएगा। 5इजराइल-ईरान के बीच बयानबाजी तेजः नेतन्याहू ने कहा कि अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ पूरे ईरान की आवाज नहीं है। वहीं इराक के शिया नेता अम्मार अल-हकीम ने लोगों से अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। शिया संप्रदाय के कुल 12 पवित्र इमामों में से इमाम रजा एकमात्र ऐसे इमाम हैं जिन्हें ईरान की धरती पर दफनाया गया है। बाकी के सभी इमाम या तो सऊदी अरब (मदीना) में हैं या इराक (नजफ, करबला, सामर्रा) में। इमाम रजा शिया इस्लाम के आठवें इमाम माने जाते हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से डरकर तत्कालीन शासक अब्बासी खलीफा ने जहर देकर हत्या करा दी थी। जहां इमाम रजा को दफनाया गया, उस जगह का नाम बाद में 'मशहद' (शहीद होने की जगह) पड़ गया, जो आज ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। मशहद शिया मुसलमानों के लिए मक्का, मदीना और करबला के बाद सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। यहां हर साल दुनिया के कई देशों से लाखों शिया श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

इंडोनेशिया ने मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर से नवाज़ा,राष्ट्रपति प्रबोवो ने गले लगाया,द्विपक्षीय बैठक की

जकार्ता। भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस डील पर मुहर लग गई है। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया इसे खरीदने वाला तीसरा देश बना है। पीएम मोदी ने मंगलवार को जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक में कई अहम समझौते हुए। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। इसके अलावा भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में मदद करेगा। इसे भारत की चुनावी व्यवस्था पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे का आज दूसरा दिन है। जकार्ता में मंगलवार सुबह मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उन्हें गले भी लगाया। पीएम इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर

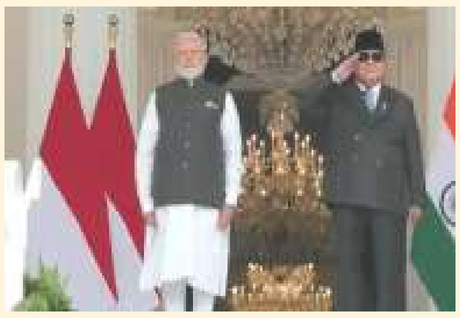

सूची में शामिल है। भारत-इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय बैठक, 4 बड़े फैसलेः-भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में मदद करेगा। इसे भारत की चुनावी व्यवस्था पर भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल के प्रदर्शन के बाद इंडोनेशिया ने इसे खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की यूनिट भी उपलब्ध कराएगा। महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए भारत इंडोनेशिया में स्टील, निकेल और रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्माण में निवेश करेगा। भारत और इंडोनेशिया मिलकर सबांग बंदरगाह का विकास करेंगे। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य पर स्थित है और भारत के ग्रेट निकोबार पोर्ट प्रोजेक्ट से करीब 100 मील की दूरी पर है। पीएम इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर भी गए प्रम्बानन मंदिर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। पीएम मोदी अब तक तीन बार इंडोनेशिया गए हैं। हालांकि वे प्रम्बानन मंदिर पहली जाना हुआ। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्ताना मर्देका (राष्ट्रपति भवन) पहुंचकर विजिटर बुक पर साइन किए। इस दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी मौजूद रहे।राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने-अपने देशों के डेलीगेट्स से एक-दूसरे का परिचय कराया। इंडोनेशिया का साबंग पोर्ट भारत के लिए अहमः-इंडोनेशिया का साबंग पोर्ट अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बेहद करीब है। भारत और इंडोनेशिया ने 2018 में प्रधानमंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान साबंग पोर्ट और आसपास समुद्री सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी।इसके तहत पोर्ट के विकास, समुद्री संपर्क, लॉजिस्टिक सहयोग और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

पहली बार वक्फ बोर्ड में 2 हिंदू सदस्य,एमपी पहला ऐसा राज्य-सरकार ने मनोज मालपानी और अनिमेष भार्गव को मेंबर बनाया

भोपाल। देश में पहली बार किसी राज्य के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों की नियुक्ति हुई है। मध्यप्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के राघौगढ़ निवासी अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया है। इसके साथ ही सनवर पटेल को दोबारा बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार का दावा है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025 के प्रावधानों के तहत बोर्ड का गठन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। नए बोर्ड में कुल 10 सदस्य हैं। इससे पहले वक्फ अधिनियम-1995 के तहत राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य केवल मुस्लिम समुदाय से ही होते थे।हालांकि, कुछ सदस्यों को राज्य सरकार नामित करती थी, लेकिन उनके लिए भी मुस्लिम होना जरूरी था। 2025 में कानून में संशोधन के बाद पहली बार यह व्यवस्था की गई कि प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड में कम-से-कम दो गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे। कार्यकाल के आधार पर नजमा को मिली नियुक्तिः-नजमा हेपतुल्ला का नाम पहले के कार्यकाल के आधार पर शामिल किया गया है, जिनका कार्यकाल अप्रैल 2028 तक है। मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में 4 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य शासन ने वक्फ अधिनियम की धारा 13(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह गठन किया है। केंद्रीय वक्फ परिषद में भी दो गैर-मुस्लिम सदस्यों का प्रावधान किया गया है। इसी बदलाव के तहत मध्यप्रदेश में पहली बार दो हिंदू

सदस्यों को बोर्ड में शामिल किया गया है। राज्य सरकार ने 4 जुलाई 2026 को जारी राजपत्र (असाधारण) की अधिसूचना में वक्फ अधिनियम की धारा 13(1) के तहत बोर्ड के गठन की घोषणा की। पूर्व केंद्रीय मंत्री नजमा हेपतुल्ला का नाम उनके पहले से चल रहे कार्यकाल के आधार पर बोर्ड में बरकरार रखा गया है। उनका कार्यकाल अप्रैल 2028 तक रहेगा। सरकार का कहना है कि नए बोर्ड के जरिए वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। वक्फ बोर्ड क्या है, क्या काम करता है? वक्फ ऐसी संपत्ति होती है, जिसे कोई मुस्लिम व्यक्ति या संस्था धार्मिक, शैक्षणिक या सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से स्थायी रूप से दान कर देती है। इसमें मस्जिद, कब्रिस्तान, दरगाह, ईदगाह, मदरसे, धर्मार्थ भवन, जमीन या अन्य अचल संपत्तियां शामिल हो सकती हैं। राज्य की वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड तैयार करना और उनका संरक्षण करना। वक्फ संपत्तियों के उपयोग और आय की निगरानी करना। अवैध कब्जों या विवादों में वक्फ संपत्तियों के हितों की रक्षा करना। वक्फ से होने वाली आय का उपयोग धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक कल्याण के उद्देश्यों के लिए सुनिश्चित करना। वक्फ संस्थाओं के प्रशासन और प्रबंधन की निगरानी करना। केंद्र सरकार ने पिछले साल लागू किया था वक्फ संशोधन कानून-साल 2025 में वक्फ संशोधन बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिल को 5 अप्रैल की देर रात मंजूरी दी थी। सरकार ने वक्फ संशोधन कानून को 8 अप्रैल से देशभर में लागू कर दिया था। 3 जुलाई 2025 को केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसके बाद यह कानून पूरे देश में लागू कर दिया गया था।

सीरिया में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के दौरे के बीच ब्लास्ट,जिस होटल में ठहरना था उसके पास धमाका

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल

मैक्रों के बीच मंगलवार को धमाका हुआ है। यह ब्लास्ट उस होटल के पास हुआ है, जहां मैक्रों के ठहरने की व्यवस्था की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्थानीय लोगों ने एक साथ कई धमाकों की आवाज सुनी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियोज में इलाके से धुआं भी उठता देखा गया। धमाके के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास की सड़कों को बंद कर दिया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने धमाके के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मैक्रों, बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद दमिश्क का दौरा करने वाले यूरोपीय संघ (ईयू) के पहले बड़े नेता हैं।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया, ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल अस्त्र मिसाइल की भी डील

जकार्ता। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता

में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए। मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया।

चीन में भूस्खलन में 33 लोग दबे,17 को बचाया गया, 16 की तलाश जारी

गांसू। चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी इलाके में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक 17 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 16 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सभी प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और आंधी-बारिश से कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई इलाकों में 149 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अगले 24 घंटे में 260 मिमी तक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन के मौसम विभाग ने सुपर टाइफून 'बावी' को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। यह तूफान 290 किमी/घंटा तक की रफ्तार वाली हवाओं के साथ प्रशांत महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

तेलंगाना में नर्स पत्नी ने पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा डाला,एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था-छत से धक्का भी दिया था लेकिन बच गया

निजामाबाद। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई। पहले छत से धक्का

दिया, लेकिन प्रशांत बच गया थाः-पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़े होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में खुद गिर गए थे। इलाज के दौरान टॉयलेट क्लीनर लगायाः-जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का आरोप है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया। मां को हुआ शक, शिकायत के बाद खुला मामलाः-प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर संदेह हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। असली राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस ने संध्या, अनिल और वेंकट साई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

गोल्डन टेंपल में हाफपैंट पहने विदेशी कपल को रोका,पूछा- कितने का टिकट, सिख बोला-एंट्री फ्री, पहले पूरे कपड़े पहनकर आओ

मानव/अमृतसर। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में निक्कर पहन कर माथा टेकने जा रहे विदेशी कपल को सिख ने रोक दिया।

महिला और युवक दोनों ने निक्कर पहनी हुई थी। सिख ने उन्हें गेट पर रोका और नियमों के बारे में बताया। सिख ने बताया कि निक्कर पहनकर अंदर जाना मना है। इस दौरान विदेशी महिला ने टिकट के बारे में भी पूछा, जिस पर उसे बताया गया कि यहां एंट्री पूरी तरह फ्री है। दोनों को पूरे कपड़े पहनकर आने की सलाह दी। नियम समझने के बाद विदेशी महिला ने सहमति जताई। ये वीडियो 4 जुलाई का है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गुरुघर की मर्यादा से अवगत कराने के लिए सूचना बोर्ड लगाया गया है। इन पर स्पष्ट लिखा है कि कैप, शॉर्ट पैंट (निक्कर), कैप्री, मोजे और मिनी स्कर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। श्रद्धालुओं से सिर ढकने और पूरे कपड़े पहनकर ही गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने की अपील की गई है। एक विदेशी महिला और उसके साथ मौजूद युवक गोल्डन टेंपल में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक सिख ने उन्हें बताया कि गुरुद्वारा साहिब के अंदर निक्कर या हाफ पैंट पहनकर जाना मना है। उन्होंने समझाया कि दर्शन करने के लिए पूरे कपड़े या पजामा पहनना जरूरी है। बातचीत के दौरान विदेशी महिला ने पूछा कि क्या अंदर जाने के लिए किसी प्रकार का टिकट लेना पड़ता है। इस पर स्पष्ट किया कि गोल्डन टेंपल में प्रवेश पूरी तरह फ्री है और केवल गुरुघर की मर्यादा के अनुसार कपड़े पहनना जरूरी है। इसके बाद महिला ने अपने साथी की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या उन पर भी यही नियम लागू होता है।

बंगाल गैंगरेप/मर्डर

मुख्य आरोपी समेत 3 गिरफ्तार,बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी

कोलकाता। बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की एसआईटी बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी। जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे। पोस्टमॉर्टम में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने रेप के बाद उसे जिंदा ही तालाब में फेंका था। उसके फेफड़ो और पेट में पानी मिला। डूबने और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। एक आरोपी को भीड़ ने पीटकर मार डाला थाः-इससे पहले रविवार को लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद, भीड़ ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिस पर लड़की के रेप और मर्डर में शामिल होने का शक था। इसकी पहचान इंद्रजीत तांती के रूप में हुई थी। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की, जिसमें लड़की को चार लोग ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस इन चारों की पहचान पुख्ता करने में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में लड़की के प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान और शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान मिले हैं। लड़की के सिर पर या तो किसी भारी चीज से वार किया गया था या उसे किसी सख्त सतह पर पटका गया था। जांच में यह भी पता चला कि सिर की चोट से बहुत ज्यादा खून बहने और डूबने के कारण उसकी मौत हुई। घटना पर राजनीतिक विवाद भी गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने जाने से रोकने के लिए उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया, जिसे भाजपा ने रूटीन सुरक्षा बताया है।

एक आरोपी को भीड़ ने पीटकर मार डाला था

ज्ञानकुंज एकेडमी ने दिया प्रकृति प्रेम का अनूठा संदेश, एनसीसी कैडेट्स ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जीता सबका दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बंशीबाजार/बलिया। शिक्षा के

क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट पहचान बना चुकी ज्ञानकुंज एकेडमी ने

एक बार फिर सामाजिक सरोकार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत भव्य पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाकर यह संदेश दिया कि जिस तरह मां जीवन देती है, उसी प्रकार पेड़ भी धरती पर जीवन का आधार हैं। कार्यक्रम के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, अनुशासन और प्रकृति के प्रति प्रेम का अनूठा वातावरण देखने को मिला। इस दौरान विद्यालय की प्राचार्या सुधा पाण्डेय ने कहा कि ज्ञानकुंज एकेडमी केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान मातृत्व के सम्मान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का ऐसा संदेश है, जिसे हर परिवार तक पहुंचाने की आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल भी करें, क्योंकि एक पौधा ही भविष्य में हजारों लोगों के जीवन का सहारा बनता है। कार्यक्रम में उपस्थित सीटीओ सागर वर्मा ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य केवल परेड और अनुशासन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भावना विकसित करना भी है। ऐसे अभियान युवाओं में सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण के संस्कार पैदा करते हैं। जीसीआई खुशी सिंह ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। आज लगाया गया एक छोटा-सा पौधा आने वाले वर्षों में हजारों लोगों को स्वच्छ हवा, छाया और जीवन देगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने पूरे उत्साह के साथ पौधरोपण किया और यह संकल्प लिया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करेंगे। कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसके साथ सामाजिक चेतना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी जुड़ी हो। ज्ञान कुंज एकेडमी ने इस प्रेरणादायी पहल के माध्यम से न केवल विद्यार्थियों बल्कि पूरे समाज को यह संदेश दिया कि मां के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण से बढ़कर कोई सेवा नहीं हो सकती। विद्यालय की इस अनूठी पहल की क्षेत्र में सराहना हो रही है और लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षक- शिक्षिकाएं, एनसीसी कैडेट्स तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं को लूट रहा विद्युत विभाग- ओ0पी0 यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को सेण्ट्रल

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता ओ0पी0 यादव ने कहा विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को लूट रहा है। विभाग द्वारा लगाये गये स्मार्ट मीटर इतनी तेजी से चलते है कि विद्युत की खपत से अधिक की रीडिंग आती है। इसके पूर्व एक आदेश विभाग द्वारा प्री-पेड का आया जिसे मुख्यमंत्री द्वारा वापस लिया गया। अब जुलाई में जनपद के लगभग एक लाख उपभोक्ताओं का लोड बिना उपभोक्ताओं की स्वीकृत के एक किलोवाट से 5 किलोवाट तक बढ़ा दिये गये विद्युत बिल 50 से लेकर 100 प्रतिशत तक बढ़ाकर भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी के कार्यालय से लेकर सामान्य विभाग के कार्यालयों का बिजली का बिल जमा नही किया जाता है। बिजली विभाग में सेवारत किसी कर्मचारी/अभियंता के विभाग एवं आवास का बिल नही जमा किया जाता है। इस घाटे को पूरा करने के लिए सामान्य उपभोक्ताओं को लूटा जा रहा है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं छोटे-छोटे उद्योग केन्द्रों में बिजली विभाग के अभियंता उपभोक्ताओं से पैसे लेकर कामर्शियल कनेक्शन के स्थान पर घरेलू कनेक्शन दिये गये है। विद्युत विभा की जर्जर लाइनों को ठीक नही कराया जा रहा है। कोई लाइनमैन अपना काम नही करता है। इसके लिए अलग से आदमी रक्खे जाते है। यही कारण है कि आये दिन हादसे होते रहते है। विभाग की लापरवाही के कारण एक एक पखवारे पर तक विद्युत आपूर्ति नही होती है। बिजली तो नही आती परन्तु उपभोक्ताओं के यहां बिल पहुंच जाता है। यही कारण है कि विभाग घाटे में विभागीय कर्मचारी मालामाल है। श्री यादव ने महामहिम राज्यपाल महोदय को फैक्स भेजकर विद्युत विभाग के तुकलकी आदेश को वापस लेने एवं विभाग द्वारा की जा रही लूट पर अंकुश लगाये जाने की मांग की है।

अपनी शिष्या से शादी के लिए टावर पर चढ़ा कोचिंग संचालक, 3 घंटे हाईवोल्टेज ड्रामा, पुलिस के मनाने पर उतरा

प्रयागराज। प्रयागराज में एक कोचिंग संचालक मंगलवार सुबह 7 बजे बिजली के हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। वह करीब 40 फीट की ऊंचाई पर जाकर बैठ गया। सुबह उधर से गुजर रहे लोगों ने उसे टावर पर बैठा देखा तो शोर मचा दिया। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने उसे नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन वह चुपचाप बैठा रहा। काफी समझाने-बुझाने के बाद उसने ऊपर से एक पत्र नीचे फेंका, जिसमें अपनी प्रेमिका से शादी कराने की मांग लिखी थी। पुलिस ने उसे मनाने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। बाद में उसकी बात सुनने और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। इसके बाद वह करीब तीन घंटे बाद टावर से नीचे उतर आया। पुलिस की पूछताछ में युवक ने बताया कि जिस गांव में टावर लगा है, उसी गांव की एक युवती से वह प्रेम करता है। युवती उसकी कोचिंग में पढ़ने आती है। दोनों शादी करना चाहते हैं, लेकिन युवती के परिजन इसके लिए तैयार नहीं हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया। वहां युवती के परिवार ने शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने युवक के खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई की। मामला मऊआइमा थाना क्षेत्र का है।

डीएम-एसपी ने तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएम,सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 148 शिकायतें आयी, 20 का तत्काल हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील लालगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 57, पुलिस 41, विकास 09, समाज कल्याण 03 एवं अन्य 38 कुल 148 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 20 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी लालगंज सुजीत कुमार राय सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

6 से 20 जुलाई तक निःशुल्क खाद्यान्न व अंत्योदय कार्डधारकों को सःशुल्क चीनी का होगा वितरण, डीएम के निर्देश पर पारदर्शी वितरण के लिए नोडल अधिकारी तैनात, कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जनपद में माह जुलाई 2026 का खाद्यान्न वितरण 6 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को गेहूं एवं चावल का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। वहीं अंत्योदय कार्डधारकों को अप्रैल, मई एवं जून 2026 तिमाही के सापेक्ष 3 किलोग्राम चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से 54 रुपये प्रति कार्ड में उपलब्ध कराई जाएगी। अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किलोग्राम गेहूं एवं 21 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 किलोग्राम) तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलोग्राम गेहूं एवं 3 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल (कुल 5 किलोग्राम) निःशुल्क वितरित किया जाएगा। वितरण ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से किया जाएगा तथा खाद्यान्न का मूल्य वितरण पर्ची पर शून्य अंकित रहेगा। अंत्योदय कार्डधारकों के लिए चीनी वितरण में पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी और उन्हें अपनी मूल उचित दर दुकान से ही चीनी प्राप्त करनी होगी। जिलाधिकारी ने वितरण व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रत्येक उचित दर दुकान पर नोडल एवं पर्यवेक्षणीय अधिकारियों की तैनाती के निर्देश दिए हैं। वितरण से पूर्व खाद्यान्न एवं चीनी का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा तथा सभी अधिकारी नियमित निरीक्षण करेंगे। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, घटतौली, कालाबाजारी अथवा खाद्यान्न के दुरुपयोग की शिकायत मिलने पर संबंधित उचित दर विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र लाभार्थी निर्धारित अवधि में खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहे।

हज-2026 के यात्री 13 जुलाई तक हवाई किराये की शेष धनराशि अनिवार्य रूप से जमा करें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक

कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा जारी सर्कुलर संख्या-42 दिनांक 03 जुलाई, 2026 के अनुसार हज-2026 के हज यात्रियों को पूर्व में जारी सर्कुलर संख्या-39 दिनांक 28 अप्रैल, 2026 के क्रम में मध्य-पूर्व में उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों के दृष्टिगत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हवाई किराये में संशोधन किया गया था। इसके तहत प्रत्येक हज यात्री को हवाई किराये की अंतर राशि 10,000 रुपये 15 मई, 2026 तक जमा करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि हज-2026 की वापसी उड़ानें अब पूरी हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी अनेक हज यात्रियों द्वारा हवाई किराये की शेष धनराशि जमा नहीं की गई है। ऐसे सभी यात्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रत्येक दशा में 13 जुलाई, 2026 तक पे-इन-स्लिप के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अथवा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में हज कमेटी ऑफ इंडिया के बैंक खाते में अपना बैंक रेफरेंस नंबर अंकित करते हुए शेष धनराशि अनिवार्य रूप से जमा करा दें। उन्होंने बताया कि बैंक रेफरेंस नंबर हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in पर उपलब्ध है।

राष्ट्र निर्माण का आधार है राष्ट्रीय चेतना : प्रोफेसर सत्यकाम

मुक्त विश्वविद्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर व्याख्यान एवं डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 7 जुलाई । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रचिंतक, कुशल राजनीतिज्ञ एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन एवं कृतित्व पर आधारित एक विशेष व्याख्यान एवं वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की।कार्यक्रम के प्रारंभ में 25 मिनट की डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें डॉ. मुखर्जी के जन्म, शिक्षा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शैक्षणिक उपलब्धियों, राजनीतिक जीवन, राष्ट्रहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों तथा उनके अंतिम बलिदान तक के संपूर्ण जीवन-वृत्त का प्रभावी चित्रण किया गया। वृत्तचित्र ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को डॉ. मुखर्जी के विचारों एवं उनके राष्ट्रसमर्पित जीवन से परिचित कराया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे केवल एक महान शिक्षाविद् या कुशल राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रबल प्रहरी थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्रहित के लिए समर्पित किया और आवश्यकता पड़ने पर सर्वोच्च

बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटे।0कुलपति ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य किया जाए। आज जब भारत वर्ष विकसित भारत-2047 के संकल्प की ओर अग्रसर है, तब प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता, कर्तव्यनिष्ठा और सकारात्मक सोच के साथ देश के विकास में अपना सक्रिय योगदान दें।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में मातृभाषा एवं भारतीय भाषाओं में शिक्षा पर जो विशेष बल दिया गया है, उसका विचार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्रता से पूर्व ही प्रस्तुत कर दिया था। उनका स्पष्ट मत था कि अपनी भाषा में शिक्षा ही ज्ञान को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकती है। आज उनकी दूरदर्शी सोच भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है। प्रो. सत्यकाम ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। यदि हम उनके आदर्शों–राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षा, संगठन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकात्मता–को अपने जीवन में आत्मसात करें, तो एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य निश्चित रूप से साकार होगा। मुख्य वक्ता प्रो. सत्यपाल तिवारी ने अपने व्याख्यान में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने अल्पायु में ही विधि की शिक्षा प्राप्त कर शिक्षा-जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. छत्रसाल सिंह ने मंचासीन विद्वतजनों का स्वागत करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आनन्दानन्द त्रिपाठी ने तथा डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्रभारी निदेशक, आचार्य, सहायक आचार्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

मा0 विधायक अशोक कुमार ने पीड़ित परिवार को प्रदान की आर्थिक सहायता

आश्रितों को आवासीय व कृषि पट्टा, बच्चों की शिक्षा, पेंशन एवं आर्थिक सहायता का मिला लाभ,सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी- अशोक कुमार, परिवार को हर सम्भव मदद करायी जाएगी उपलब्ध- मा0 विधायक, पीड़ित परिवार ने मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रति व्यक्त किया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार

ने आज तहसील सलोन के ग्राम खम्हरिया पूरे कुशल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में मृतक स्वर्गीय मेवालाल पुत्र झुरई के शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत अनुमन्य सहायता प्रदान की तथा भरोसा दिलाया कि सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उल्लेखनीय है कि ग्राम खम्हरिया पूरे कुशल निवासी स्वर्गीय मेवालाल की वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद केजीएमयू, लखनऊ में उपचार के दौरान दिनांक 29 जून 2026 को मृत्यु हो गई थी। घटना के उपरांत जिला प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए पात्रता के अनुसार विभिन्न योजनाओं से परिवार को लाभान्वित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इस अवसर पर मृतक की माँ सिरताजा को शासन द्वारा अनुमन्य विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता उपलब्ध कराई गई, जिसमें 0.013 हेक्टेयर आवासीय पट्टा तथा 0.312 हेक्टेयर कृषि पट्टा प्रदान किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत परिवार के दो बच्चों की शिक्षा हेतु रु2,500-रु2,500 प्रतिमाह की सहायता के स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए गए, इसके अतिरिक्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत मृतक की पत्नी राजरानी को रु1,000 प्रतिमाह पेंशन का स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत रु30,000 की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। वहीं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत रु5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की कार्यवाही प्रचलित है, जिसे शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। मा0 विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है, परिवार को हर सम्भव मदद शासन/प्रशासन द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार सहित जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारी व क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहें।

योगी सरकार में उच्च शिक्षा की नई उड़ान,चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी में स्कॉलर समिट 2026 फेज़ 2 शुरू, 750 मेधावी सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उन्नाव/लखनऊ। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। इसी कड़ी में देश की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश में दो दिवसीय 'सीयू स्कॉलर समिट 2026' के फेज 2 का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। समिट के पहले दिन बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 750 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में शिक्षा और कौशल विकास को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 3,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लगभग 50 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति देकर नया आयाम स्थापित किया है। यह साबित करता है कि योगी सरकार की नीतियों में आर्थिक संसाधनों की कमी किसी भी प्रतिभा की शिक्षा में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा के दौर में युवाओं को एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एयरोस्पेस और डिफेंस जैसी उभरती तकनीकों में दक्ष होना होगा। 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को योगी सरकार धरातल पर उतार रही है। हमारा लक्ष्य है कि यूपी का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बने।' उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेटियों को भी उच्च शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में बराबरी के अवसर मिल रहे हैं। सीयू यूपी के मैनेजिंग डायरेक्टर जय इंदर सिंह संधू ने कहा कि एक वर्ष पहले हमने स्पष्ट विजन के साथ सीयू यूपी की नींव रखी थी। आज हमारे कैंपस में एडवांस लैब्स, जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई स्पेस और विश्वस्तरीय रिसर्च सुविधाएं हैं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री-ड्रिवन लर्निंग मॉडल के कारण कई छात्र पहले ही ग्लोबल कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए चयनित हो चुके हैं। एआई हर क्षेत्र बदल रहा है। सीयू यूपी देश का पहला एआई स्पेस विकसित कर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सीयूसीईटी के माध्यम से 50 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप की घोषणा की थी। मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप मिली है। पहले दिन इंजीनियरिंग और कंप्यूटिंग के 750 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। 'फ्रॉम स्कॉलर टू फ्यूचर-रेडी प्रोफेशनलः एआई, एयरोस्पेस, डिफेंस एंड इंजीनियरिंग' थीम पर हुए सत्रों में पॉलिसी मेकर्स, एजुकेशनिस्ट्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और एलुमनाई ने फ्यूचर स्किल्स पर मंथन किया। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रो. डॉ. ल्यूक डिकेन्स और सीयू यूपी के प्रो. डॉ. थिपेंद्र पाल सिंह ने ग्लोबल करियर ऑपर्च्युनिटीज़ पर संवाद किया। 'फ्रॉम सीयू क्लासरूम्स टू ग्लोबल करियर्स' सेशन में एलुमनाई ने सफलता के अनुभव साझा किए। सुपर अचीवर्स ने प्लेसमेंट, स्टार्टअप, रिसर्च, पेटेंट और इंटरनेशनल अचीवमेंट्स की जानकारी दी। पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ एवं एमडी डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा, हिताची एमजीआरएम नेट लिमिटेड के टेक्नोलॉजी लीडर मनीष पाहुजा, पीआईएसएआरवी के फाउंडर अभिषेक मिश्रा और विफी टेक्नोलॉजी के को-फाउंडर विक्रम एस. ने इनोवेशन, इंडस्ट्री एक्सपेक्टेशंस और एंटरप्रेन्योरशिप पर बात की। सेलिब्रिटी टॉक में अभिनेता कुमुद मिश्रा ने 'क्रिएटिंग योर ओन पाथः आइडेंटिटी, ऑपर्च्युनिटी एंड सक्सेस बियॉन्ड टाइमलाइंस' विषय पर युवाओं को अपनी राह खुद बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्लानिंग एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन तथा आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार, वाइस चांसलर प्रो. डॉ. विनीत कुमार नायर, प्रो वाइस चांसलर प्रो डॉ टीपी सिंह समेत शिक्षा व उद्योग जगत के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सतना में बन रहा नकली इंजन ऑयल कट रही वाहन मालिकों जेब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सतना। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के जमुना कॉलोनी स्थित में नकली इंजन ऑयल मोबी आइल का

है कि जय भारत पेट्रोल टंकी के संचालक द्वारा पेट्रोल टंकी के पीछे वर्कशॉप में खुद के द्वारा बनाया गया नकली इंजन ऑयल, मोबी आइल, ब्रेक ऑयल, यूरिया आदि बनाया व बेचा जाता है इसी प्रकार जसविंदर सिंह भाटिया द्वारा सतना नदी के पहले स्थित होटल के पीछे नकली इंजन ऑयल बनाकर बेचता है पूर्व में यही जसविंदर सिंह भाटिया डालीबाबा पंजाबी मोहल्ला कारखाना पकड़ा गया था तब पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल थे और नगर पुलिस अधीक्षक विजय सिंह ने स्वयं छापा मारकर पकड़ा था। इन नक्कालों द्वारा बनाए गए ब्रांडेड कंपनी के नकली इंजन ऑयल मोबी आइल ब्रेक ऑयल के कारण आम वाहन मालिकों की गाड़ियां खराब हो जाती है जिससे उन्हें भारी भरकम नुकसान उठाना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल का बड़ा विस्तारः प्रसिद्ध लोहा व्यापारी शरद जैन प्रदेश संरक्षक और मनीष गर्ग बने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने आगामी 30 जुलाई को स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए तत्परता से कार्य करेगी।

आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'व्यापारी कल्याण दिवस' महासम्मेलन से पहले संगठन को और अधिक मजबूत और धारदार बनाने के लिए अपनी गाजियाबाद टीम के विस्तार की आधिकारिक घोषणा कर दी है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन की ओर से जारी बयान के अनुसार, गाजियाबाद के दो अत्यंत प्रतिष्ठित उद्योगपतियों और प्रमुख व्यापारियों को संगठन की मुख्य धारा से जोड़ा गया है, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में व्यापारियों की आवाज को एक नई ताकत मिलेगी। शरद जैन को मिला प्रदेश संरक्षक का जिम्माः- गाजियाबाद के बेहद लोकप्रिय, सामाजिक कार्यों में अग्रणी और क्षेत्र के प्रसिद्ध लोहा व्यापारी श्री शरद जैन को उनकी दूरदर्शिता और व्यापारिक समझ को देखते हुए उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल का प्रदेश संरक्षक मनोनीत किया गया है। उनके संगठन में आने से पूरे प्रदेश के युवा व्यापारियों को एक वरिष्ठ और अनुभवी मार्गदर्शक मिल गया है। मनीष गर्ग संभालेगी गाजियाबाद नगर की कमानः-इसके साथ ही, गाजियाबाद में व्यापारिक हितों की रक्षा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रखर और ऊर्जावान व्यापारी नेता श्री मनीष गर्ग को गाजियाबाद का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मनीष गर्ग की अगुवाई में गाजियाबाद नगर की नई टीम 'व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके मान-सम्मान व सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शरद जैन जी के मार्गदर्शन और मनीष गर्ग जी के नेतृत्व में गाजियाबाद की टीम न सिर्फ जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में संगठन का परचम लहराएगी। दो बड़े उद्योगपतियों और प्रमुख चेहरों के जुड़ने से संगठन में भारी उत्साह है।' – विकास जैन (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल) 30 जुलाई के 'महाकुंभ' को लेकर तैयारियां तेज-प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि आगामी 30 जुलाई को आयोजित होने वाला प्रादेशिक महासम्मेलन (व्यापारी कल्याण दिवस) ऐतिहासिक होने जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम में पूरे उत्तर प्रदेश के 32 से अधिक जिलों के हजारों कार्यकर्ता और पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। इसी बड़े कार्यक्रम के मद्देनजर गाजियाबाद टीम को नया स्वरूप देकर बड़ा किया गया है, ताकि व्यापारियों की एकजुटता का एक मजबूत संदेश शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जा सके। नव-नियुक्त पदाधिकारियों शरद जैन और मनीष गर्ग ने इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन और केंद्रीय कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया और संकल्प लिया कि वे व्यापारियों के हक की लड़ाई को पूरी ईमानदारी से लड़ेंगे।

राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर छठवे दिन नोएडा विधानसभा क्षेत्र में चला वृक्षारोपण अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के आने वाला समय समाजवादी पार्टी व पीडीए के लोगों का है का बोलबाला है। अयोध्या में राम मंदिर में चन्दा चोरी, नोएडा में

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर 1 जुलाई से 7 जुलाई तक चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत 6 जुलाई को छठवें दिन नोएडा विधानसभा क्षेत्र 61 के गांव सदरपुर में बाबा की चौपाल व सेक्टर 35 में पेट्रोल पंप के निकट ग्रीन बेल्ट मे वृक्षारोपण क्या गया, चौधरी जयकरण सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे प्रदेश में श्री अखिलेश यादव जी के जन्मदिन के अवसर जुलाई के प्रथम सप्ताह में पूरे प्रदेश की सभी विधानसभाओं के जोन सेक्टर बूथो पर व गली मोहल्लों में वृक्षारोपण कर जन्मदिन सप्ताह मनाया जा रहा है, पीडीए के लोग बढ़ चढ़कर वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं और समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे हैं। 2027 में पीडीए की सरकार आने वाली है उत्तर प्रदेश की जनता भ्रष्टाचार व अधिकारियों की तानाशाही से त्रस्त है और वर्तमान सरकार से छुटकारा पाना चाहती है।विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर बबलू चौहान ने कहा कि नोएडा विधानसभा में जितने काम अखिलेश सरकार में हुए है। बीजेपी सरकार आज तक भी उनका फीता काट रही है। नोएडा विधानसभा में अखिलेश सरकार में एलिवेटेड रोड, कन्या इंटर कॉलेज, नोएडा शिल्प हार्ट, नोएडा प्राधिकरण का न्यू कार्यालय, अंडरपास, नारी निकेतन, मल्टी लेवल पार्किंग, अनेकों जलकल्याणकारी योजनाओं के साथ नोएडा में विकास हुए आज केवल फीते काटे जा रहे हैं, साढ़े नौ साल की सरकार में केवल भ्रष्टाचार आए दिन चोरी, छिनैती, घटनाएं बढ़ गई हैं पीडीए समाजवादी सरकार बनने पर पीडीए के लोगों को उचित भागीदारी मिल सकेगी, नोएडा के गावों के साथ विकास के नाम पर शोतेला व्यव्हार किया जा रहा है वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव चौ0 जय करण सिंह विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर बबलू चौहान,बाबा साहब वाहिनी के प्रदेश सचिव उदयसिंह, विनोद चौहान, शिवम चौहान,चमन सिंह, कुनाल चौहान, ऐड0निखिल चौहान वीरसेन चौहान,मनकू चौहान,सन्नी अस्थाना, जगपालसिंह,अमित यादव, नारायण सिंह, राजू किशन, सलीम खान, अभिषेक, समीर, मोमिन खान, आकाश, रोहन सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वर्गीय मास्टर बशीर अहमद (नेताजी) की 25वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि एवं शरबत वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्वर्गीय मास्टर बशीर (नेताजी) जी के समाजसेवा, जनहित एवं मानवीय मूल्यों पर महेंद्र मुखिया, असलम, इकरार नवी, ओसामा, राम लायक शर्मा,

अहमद (नेताजी) जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नोएडा के सेक्टर 8, 9 एवं 10 तिराहे पर श्रद्धांजलि स्वरूप भव्य शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राहगीरों एवं क्षेत्रवासियों को शरबत वितरित कर उनकी पुण्य स्मृति को नमन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन एवं परवेज़ द्वारा किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय मास्टर बशीर अहमद आधारित जीवन को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश अवाना एडवोकेट, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंडित प्रमोद शर्मा, बागपत कोऑर्डिनेटर सतेंद्र शर्मा, अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर जनाब लियाकत चौधरी, महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, महासचिव दयाशंकर पांडेय, हाजी सगीर, अमजद हुसैन कल्लू, मोहम्मद जियाउल हक, बिजेंद्र, आसिफ, बंटू, अनीश, सुमित जाटव, मौलाना आजाद, गुलफाम, हसमत राणा, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष जावेद खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय मास्टर बशीर अहमद (नेताजी) जी के बताए हुए सेवा, भाईचारे और जनकल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया तथा उनकी पावन स्मृति को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

50 लाख छात्रों की ताकत से बनेगा हरित उत्तर प्रदेश, 12 जुलाई को 20 लाख पौधे लगाएगा उच्च शिक्षा विभाग

'एक पेड़ माँ के नाम' को जन-आंदोलन बनाएगी योगी सरकार, 8000 कॉलेज, 77 विश्वविद्यालयों में चलेगा वृक्षारोपण महायज्ञ,जहाँ बाउंड्री नहीं, वहाँ पेड़ों की बनेगी बाउंड्री, छात्रों-अध्यापकों से हरित क्रांति का आह्वान- उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 12 जुलाई को आयोजित होने वाले 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' में उच्च शिक्षा विभाग 20 लाख पौधरोपण कर हरित उत्तर प्रदेश की नींव को और मजबूत करेगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार ने वृक्षारोपण को केवल सरकारी अभियान तक सीमित न रखकर इसे प्रकृति संरक्षण, जल सुरक्षा और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा व्यापक जन-आंदोलन बना दिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 में जन-जन की भागीदारी, हरित आवरण की तैयारी है। ये वास्तव में मात्र हरियाली देना या हरित आवरण बनाना ही नहीं है, ये पर्यावरण को दुरुस्त करने का निर्णायक कदम है। पूरे वातावरण में ऑक्सीजन का प्रभाव अधिक से

अधिक हो, इसके लिए यह ठोस पहल है। आने वाली नस्लों को हम कैसा देश छोड़ के जा रहे हैं, कैसा वातावरण दे के जा रहे हैं, आने वाली नस्ल हमसे कृतज्ञ होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उच्च शिक्षा में लगभग 50 लाख छात्र, 22 सरकारी विश्वविद्यालय, 56 निजी विश्वविद्यालय और 8000 के करीब महाविद्यालय हैं। अगर हर छात्र एक-एक पेड़ लगाए तो यह संख्या ऐतिहासिक होगी। हमारे अधिकांश संस्थान बाउंड्री के अंदर हैं, इसलिए पौधों की सुरक्षा भी आसानी से सुनिश्चित हो जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि अगर बाउंड्री नहीं है तो पेड़ उनकी हद पर लगाएं, तो पेड़ों की बाउंड्री बन जाएगी। जहाँ बाउंड्री है, वहाँ बाउंड्री के सहारे सघन पौधरोपण कराएं। सभी छात्रों को एकत्र कर पौधे लगवाएं तो वे संरक्षित भी रहेंगे और पर्यावरण भी सुधरेगा। यही सरकार का लक्ष्य है और हम इसे पूरा करेंगे। सभी कुलपति, कुलसचिव और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अभियान को मिशन मोड में लें। उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार ने वृक्षारोपण को 'एक पेड़ माँ के नाम', 'गुरु के नाम', रक्षाबंधन पर 'भाई-बहन' जैसे भावनात्मक रूप से जोड़ा है। जहाँ भावनात्मक लगाव जुड़ जाता है, वहाँ देखभाल भी अधिक होती है। उन्होंने आह्वान किया कि छात्रों, अध्यापकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों की विशाल संख्या जब इस अभियान से जुड़ेगी तो हरित क्रांति अवश्य सफल होगी। फलदार, छायादार और औषधीय वृक्ष लगाने चाहिए। 'आम के आम गुठलियों के दाम' वाली कहावत चरितार्थ होगी। वृक्ष लगेंगे तो पर्यावरण सुधरेगा और फल मिलेंगे तो स्वास्थ्य भी सुधरेगा।

महर्षि महेश योगी अंतरराष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय को यूपी कैबिनेट की मंजूरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा उत्तर प्रदेश सरकार की प्रदेश बल्कि पूरे देश के कृषि एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक की गई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान प्रधानमंत्री

कैबिनेट द्वारा महर्षि महेश योगी अंतरराष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय

की स्थापना को मंजूरी दिए जाने पर महर्षि संस्थान परिवार में हर्ष का माहौल है। संस्थान के पदाधिकारियों ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया है। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद यह विश्वविद्यालय कानपुर जनपद के बिल्हौर में स्थापित किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि यह विश्वविद्यालय न केवल उत्तर महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि बिल्हौर में विश्वविद्यालय की स्थापना से आसपास के जनपदों के हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकों के विकास के लिए नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय महर्षि महेश योगी जी की उस दूरदर्शी सोच को साकार करेगा, जिसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जैविक खेती के माध्यम से किसानों एवं समाज के समग्र विकास की परिकल्पना नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर संस्थान के उपाध्यक्ष राहुल भारद्वाज ने योगी सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि महर्षि महेश योगी अंतरराष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ महर्षि जी का वह सपना साकार होने जा रहा है, जिसमें भारत को जैविक खेती के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने की परिकल्पना की गई थी। गवर्निंग बॉडी के मेंबर पंकज शर्मा ने कहा कि इस कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से किसानों तक उन्नत कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान, प्राकृतिक एवं जैविक खेती की आधुनिक पद्धतियों को पहुँचाया जाएगा। इससे किसानों की आय बढ़ाने, खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगा, जहाँ कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और किसानों के बीच ज्ञान एवं तकनीक का प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के कृषि क्षेत्र को नई दिशा और नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी कौशलयुक्त राज्य बनाने हेतु योगी सरकार प्रयासरत है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। युवाओं को उद्योगों की जाएगा। सरकार का उद्देश्य प्रशिक्षण के बाद युवाओं को प्रशिक्षण संस्थानों में रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, सीएनसी, डिजिटल

मांग के अनुरूप दक्ष बनाने के लिए आईटीआई और कौशल विकास केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी और शॉर्ट टर्म रोजगारपरक कोर्स पर जोर दिया जाएगा। अटल आवासीय विद्यालयों में स्किलिंग जारी है और अगले माह से आश्रम पद्धति विद्यालयों में भी कोर्स शुरू होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, युवाओं को आधुनिक तकनीक, उद्योगों की आवश्यकताओं तथा रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अधिकारियों को जवाबदेही एवं संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने को कहा गया है। युवाओं के लिए अधिक से अधिक शॉर्ट टर्म एवं रोजगारपरक कौशल पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिनमें सॉफ्ट स्किल, डिजिटल लर्निंग, संवाद कौशल, इंटरव्यू तैयारी, रिज्यूमे लेखन तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों को शामिल किया रोजगार से जोड़ना है, जिसके लिए विभाग उद्योगों के साथ मजबूत समन्वय स्थापित करेगा और स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। आईटीआई एवं कौशल विकास मैन्युफैक्चरिंग तथा इंडस्ट्री 4.0 जैसी आधुनिक तकनीकों से संबंधित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा। विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्लेसमेंट, उद्योगों के

संस्थानों में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाई जाएगी। अटल आवासीय विद्यालयों में आधुनिक कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है और अगले माह से आश्रम पद्धति विद्यालयों में भी स्किलिंग कोर्स शुरू होंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं की सफलता की कहानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से किया जाएगा। साथ समन्वय, डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण भागीदारों, निर्माण कार्यों तथा भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, प्रत्येक प्रशिक्षित युवा को रोजगार अथवा स्वरोजगार का अवसर मिले तथा प्रदेश के औद्योगिक विकास को कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हो।

फायर सेफ्टी व फर्स्ट एड बॉक्स नहीं मिलने पर तीन वाहनों का चालान, एआरटीओ ने स्कूल संचालकों को दी सख्त चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में 'मिशन सेफ

परिवहन विभाग का अभियान जारी, बिना परमिट स्कूल बस सीज

फ्यूचर' अभियान के तहत स्कूली वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग का सघन जांच अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पीटीओ मनोज कुमार ने रॉबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास अभियान चलाकर सुरक्षा मानकों की जांच की। जांच के दौरान फायर सेफ्टी उपकरण एवं फर्स्ट एड बॉक्स के अभाव में तीन वाहनों का चालान किया गया। वहीं बिना वैध परमिट के संचालित हो रही तिरुपति बालाजी पब्लिक स्कूल की एक बस को सीज कर दिया गया। एआरटीओ (प्रशासन) कौशल कुमार सिंह ने बताया कि 'मिशन सेफ फ्यूचर' के अंतर्गत स्कूली वाहनों की नियमित जांच आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने सभी विद्यालय संचालकों से अपील की कि अपने वाहनों के परमिट, फिटनेस, फायर सेफ्टी उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स सहित सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों को समय रहते पूरा कर लें। यदि कोई वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध चालान के साथ-साथ सीज की कार्रवाई भी की जाएगी। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करना है।

विद्यार्थियों की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

डीएपी-यूरिया की कमी को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन,किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने उठाई मांग

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बट कोऑपरेटिव केंद्र पर मंगलवार को किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने किसानों की समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने समय पर डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि किसानों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी, जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक किसान को प्रति बीघा एक बोरी डीएपी और एक बोरी यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि खेती का कार्य प्रभावित न हो। मिश्रा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगें पूरी नहीं हुईं तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।रामकेश पनिका ने कहा कि किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा किसानों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ रहा है और वे किसानों के हित की इस लड़ाई में साथ रहेंगे। महेंद्र पटेल ने कहा

कि यदि किसानों की मांगों की अनदेखी जारी रही तो आने वाले दिनों में जनप्रतिनिधियों का बहिष्कार किया जाएगा। उमाशंकर सिंह ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार किसान विरोधी नीतियां अपना रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने एक स्वर में सहकारी समितियों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी और यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि उन्हें खेती के लिए भटकना न पड़े। प्रदर्शन के अंत में किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आकाश चौहान, शत्रुघ्न बिंद, दिनेश चेरो, विजय चौहान, विक्की पटेल, राजू मौर्य सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

मंदिर चढ़ावे में धांधली पर कांग्रेस की पदयात्रा, पुलिस से नोकझोंक के बीच सोनभद्र में निकाली 'सद्बुद्धि यात्रा'

सोनभद्र। जिला और शहर कांग्रेस कमेटी ने अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में 'सद्बुद्धि पदयात्रा' का आयोजन किया। यह यात्रा संयुक्त जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से शुरू हुई। यात्रा शुरू होते ही भारी संख्या में मौजूद

पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग लगाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसियों के बीच तीखी नोकझोंक और बहस हुई। पुलिस के अवरोधों के बावजूद, कांग्रेसी कार्यकर्ता आगे बढ़े और लगभग एक किलोमीटर तक अनुशासित रूप से पदयात्रा निकाली। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मंदिर के चढ़ावे में हुई कथित धांधली की निष्पक्ष जांच उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से कराने की मांग की। उन्होंने वर्तमान ट्रस्ट को तत्काल भंग करने की भी मांग की। जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा कि श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी और वित्तीय अनियमितता ने करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच माननीय उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से कराने की मांग की। गोंड ने यह भी कहा कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती और वर्तमान ट्रस्ट को भंग करके चारों पीठों के पूज्य शंकराचार्यों व श्रीराम मंदिर के सम्मानित महंतों को जिम्मेदारी नहीं सौंपी जाती, कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अयोध्या में गिरफ्तारी की भी निंदा की। शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने कहा कि प्रशासन सच्चाई की आवाज को दबा नहीं सकता। उन्होंने बताया कि यह 'सद्बुद्धि पदयात्रा' भ्रष्ट व्यवस्था को सद्बुद्धि देने के उद्देश्य से निकाली गई है।

अहमद ने कहा कि आज की सफल यात्रा यह साबित करती है कि जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हैं।

उन्होंने पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण पदयात्रा को रोकने के प्रयास को लोकतंत्र की हत्या बताया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी,कोषाध्यक्ष पी सी सी सदस्य राजबली पांडे, जिला उपाध्यक्ष कन्हैया पांडे,यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा, जिला सचिव शीतला पटेल, अमर जीत, प्रशांत कुमार, मनीष सिंह, रामविलाश, रामलखन, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय शंकर तिवारी,सहित कई कार्यकर्ताओं ने एक किलोमीटर तक यात्रा निकालकर अपनी प्रतिबद्धता दर्ज कराई है।'

खेत में नहीं गल रहा खरीदा हुआ डीएपी, किसानों ने नकली खाद बिक्री की जांच की मांग करी

सोनभद्र। जहां एक तरफ डीएपी की कमी की बात हो रहीं

वहीं म्योरपुर ब्लॉक के सागोबांध, फरीपान, पूर्वी देवहार, कुड़पान, लीलासी और नौडीहा सहित कई गांवों के किसानों ने बाजार से खरीदे गए डीएपी खाद की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। किसानों का आरोप है कि यह खाद खेतों में घुल नहीं रहा है, जिससे उन्हें नकली खाद बेचे जाने का संदेह है। किसान प्रदीप, सुनील, सुग्रीव, अशोक, पप्पू, धनराज, अनिल और देवधारी सहित अन्य ने जिलाधिकारी और जिला कृषि अधिकारी से इस मामले की तत्काल जांच कराने की मांग की है। किसानों ने बताया कि लैम्पस समितियों में डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण उन्हें बाजार से ऊंचे दामों पर खाद खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। अब इस खाद की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक खाद विक्रेता ने बताया कि किसानों में यह आम धारणा है कि डीएपी को हाथ से मसलकर उसकी गुणवत्ता परखी जा सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद की वास्तविक गुणवत्ता की पुष्टि केवल अधिकृत प्रयोगशाला जांच के माध्यम से ही संभव है। आरंगपानी लैम्पस के सचिव अनुराग जायसवाल ने कहा कि यदि किसानों को खाद की गुणवत्ता पर संदेह है, तो वे इसकी शिकायत जिला कृषि अधिकारी से कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संबंधित विभाग द्वारा विस्तृत जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि खाद निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं।

युवती से दुष्कर्म का आरोप,शादी का झांसा दिया-मुकदमा दर्ज

म्योरपुर/सोनभद्र। सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती के सात माह की गर्भवती होने के बाद आरोपी ने विवाह से इनकार कर दिया। म्योरपुर पुलिस ने इस मामले में गोपाल सिंह गोंड के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रविकांत मिश्रा के अनुसार, पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि गोपाल सिंह गोंड ने उसे शादी का भरोसा दिलाया था। इसी भरोसे पर दोनों के बीच लंबे समय तक शारीरिक संबंध बने। आरोप है कि इसी दौरान युवती गर्भवती हो गई और अब वह सात माह की गर्भवती है। जब युवती और उसके परिवार वालों ने आरोपी से शादी की बात की, तो उसने विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर म्योरपुर थाने में आरोपी गोपाल सिंह गोंड के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डायबिटीज से बिगड़ती सेक्शुअल हेल्थ,फर्टिलिटी पर असर, कंट्रोल जरूरी,जानें, डाइट और लाइफस्टाइल टिप्स

नयी दिल्ली। डायबिटीज सिर्फ शुगर बढ़ने की बीमारी नहीं

है। अगर यह लंबे समय तक अनियंत्रित रहे तो शरीर के लगभग हर अंग पर असर डाल सकती है। इसका एक असर ऐसा भी है, जिसके बारे में लोग खुलकर बात नहीं करते। वो है सेक्शुअल हेल्थ। अनियंत्रित ब्लड शुगर शरीर की नसों, ब्लड वेसल्स और हॉर्मोन्स को प्रभावित करती है। इससे पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) और महिलाओं में सेक्स ड्राइव कम होने जैसी यौन समस्याएं हो सकती हैं।अच्छी बात यह है कि समय रहते ब्लड शुगर कंट्रोल करके और सही इलाज लेकर इन समस्याओं के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में समझेंगे कि डायबिटीज सेक्शुअल लाइफ को कैसे प्रभावित करती है। साथ ही जानेंगे कि- क्या डायबिटीज कंट्रोल करके ये प्रॉब्लम ठीक की जा सकती है? डायबिटीज में ये समस्याएं होने पर किस डॉक्टर को दिखाएं? विषय को समझेंगे डॉ. अली शेर, डायबिटोलॉजिस्ट, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली व डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लिनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। ब्लड शुगर हाई रहने पर कई बॉडी ऑर्गन्स को नुकसान हो सकता है। किडनी डैमेज, रेटिना डैमेज, नर्व डैमेज, इन्फेक्शन का रिस्क, मेंटल और कॉग्निटिव प्रॉब्लम्स, सेक्शुअल प्रॉब्लम्स। अनकंट्रोल्ड डायबिटीज शरीर की नसों, ब्लड वेसल्स और हॉर्मोन्स को नुकसान पहुंचा सकती है। ये तीनों ही चीजें सामान्य सेक्शुअल फंक्शन के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए डायबिटीज के कारण पुरुषों और महिलाओं, दोनों में सेक्शुअल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- डायबिटिक लोगों को इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इरेक्शन के लिए ब्लड वेसल्स, नर्व्स और हॉर्मोन, तीनों की सही फंक्शनिंग जरूरी है। लंबे समय तक ब्लड शुगर हाई रहने से ये तीनों प्रभावित होते हैं। इसे पॉइंटर्स से समझते हैं- हाई ब्लड शुगर से ब्लड वेसल्स डैमेज होती हैं। इससे पर्याप्त ब्लड फ्लो नहीं हो पाता, जो इरेक्शन के लिए जरूरी है। हाई ब्लड शुगर से नर्व्स डैमेज हो सकती हैं। इससे सेक्शुअल अराउजल के संकेत ब्रेन और जेनिटल्स तक नहीं पहुंच पाते। डायबिटीज के कारण नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी हो सकती है। यह केमिकल इरेक्शन के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से ब्लड वेसल्स पर्याप्त नहीं फैल पातीं। सवाल- क्या डायबिटीज के कारण लिबिडो (सेक्स ड्राइव) कम हो सकता है? जवाब- हां, इससे लिबिडो कम हो सकता है। इसकी 5 मुख्य वजहें होती हैं- 1. हॉर्मोनल बदलाव टेस्टोस्टेरोन लेवल कम हो सकता है। इसके कारण लिबिडो, एनर्जी और मूड प्रभावित हो सकता है। 2. लगातार थकान ब्लड शुगर हाई रहने से थकान और कमजोरी हो सकती है। इससे स्वाभाविक रूप से लिबिडो कम हो जाता है। 3. इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) बार-बार इरेक्शन न होने से आत्मविश्वास कम हो सकता है। इसके कारण लिबिडो प्रभावित हो सकता है। 4. मेंटल हेल्थ पर असर- डायबिटीज के साथ स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन बढ़ सकता है। ये कंडीशंस सेक्स ड्राइव कम कर सकती हैं। 5. नर्व्स और ब्लड फ्लो पर प्रभाव अनकंट्रोल्ड डायबिटीज नर्व्स और ब्लड वेसल्स को डैमेज कर सकती है। इससे एक्साइटमेंट और ऑर्गज्म प्रभावित हो सकता है। सवाल- क्या डायबिटीज के कारण पुरुषों की फर्टिलिटी भी प्रभावित हो सकती है? जवाब- हां, डायबिटीज कंट्रोल न हो तो पुरुषों की फर्टिलिटी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हाई ब्लड शुगर से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ सकता है। इससे स्पर्म काउंट और मोटिलिटी (गतिशीलता) प्रभावित हो सकती है। हाई इंसुलिन का बुरा प्रभाव स्पर्म प्रोडक्शन और सेक्स ड्राइव, दोनों पर पड़ता है। सवाल- डायबिटीज महिलाओं की सेक्शुअल हेल्थ को कैसे प्रभावित करती है? जवाब- अगर ब्लड

शुगर लंबे समय तक अनकंट्रोल्ड रहे तो इससे सेहत पर फिजिकल, हॉर्मोनल और मेंटल तीनों लेवल पर असर पड़ता है। इसके कारण ये कंडीशंस बन सकती हैं- वेजाइनल ड्राइनेस,लिबिडो में कमी, अराउजल में मुश्किल, ऑर्गेज्म में मुश्किल, सेक्स में असहजता, इन्फेक्शन का रिस्क। सवाल- डायबिटीज का महिलाओं की फर्टिलिटी पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- डायबिटीज के कारण महिलाओं की फर्टिलिटी कई तरह से प्रभावित हो सकती है। जैसेकि- ओव्यूलेशन में गड़बड़ी, अनकंट्रोल्ड ब्लड शुगर हॉर्मोनल बैलेंस को प्रभावित कर सकती है। मेंस्ट्रुअल साइकल में बदलाव- इसके कारण पीरियड्स अनियमित हो सकते हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस:;-टाइप 2 डायबिटीज में इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण फर्टिलिटी प्रभावित हो सकती है। सवाल- डायबिटीज के अलावा और किन कारणों से सेक्शुअल हेल्थ प्रभावित होती है? जवाब- कई फिजिकल, मेंटल और लाइफस्टाइल प्रॉब्लम्स के कारण सेक्शुअल हेल्थ प्रभावित हो सकती है। ये सभी संभावित रिस्क फैक्टर्स हैं-डायबिटीज, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, स्मोकिंग, लो फिजिकल एक्टिविटी, स्ट्रेस और डिप्रेशन, अधिक उम्र। सवाल- क्या ब्लड शुगर कंट्रोल से सेक्शुअल हेल्थ ठीक हो सकती है? जवाब- हां, अगर इसकी प्राइमरी वजह ब्लड शुगर है तो शुगर कंट्रोल करने से सुधार हो सकता है। हालांकि, सुधार इस बात पर निर्भर करता है कि- डायबिटीज कितने समय से है। ब्लड शुगर कितने समय तक अनकंट्रोल्ड रहा है। नर्व्स या ब्लड वेसल्स को कितना नुकसान हुआ है। क्या स्ट्रेस, हॉर्मोनल प्रॉब्लम और हाई ब्लड प्रेशर भी वजहें हैं। सवाल- डायबिटीज से जुड़ी सेक्शुअल प्रॉब्लम्स होने पर किस मेडिकल एक्सपर्ट को दिखाना चाहिए? जवाब- सबसे पहले एंडोक्रोनोलॉजिस्ट या डायबिटोलॉजिस्ट से मिलना चाहिए, ताकि ब्लड शुगर कंट्रोल में रहे। महिलाओं को वेजाइनल ड्राइनेस, असहजता, लिबिडो में कमी या फर्टिलिटी प्रॉब्लम्स के लिए गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना चाहिए। पुरुषों को फर्टिलिटी प्रॉब्लम्स होने पर यूरोलॉजिस्ट या एंड्रोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना चाहिए। सवाल- ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए डाइट में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए डाइट में ये जरूरी बदलाव करने चाहिए- फाइबर से भरपूर भोजन करें। इससे ब्लड शुगर तेजी से स्पाइक नहीं करता है। मौसमी फल खाएं, जूस पीने की बजाय पूरा फल खाना बेहतर है। लंबे समय तक भूखे न रहें, पर्याप्त पानी पिएं। ब्लड शुगर कंट्रोल करने की कंप्लीट डाइट-साबुत अनाजः- गेहूं, जौ, ओट्स, बाजरा, ज्वार। सब्जीः-पालक, मेथी, सरसों, लौकी, तोरई, टिंडा।

फाइबर और फलः-अमरूद, सेब, नाशपाती, संतरा, बेरीज प्रोटीन दाल, चना, राजमा, पनीर, अंडा, मछली, चिकन हेल्दी स्नैक्सः-भुना चना, ड्राई फ्रूट्स, अंकुरित अना।

सवाल- ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में ये जरूरी बदलाव करें- सप्ताह में कम-से-कम 150 मिनट मीडियम से मॉडरेट एक्सरसाइज करें। फिजिकली एक्टिव रहें, किसी एक जगह पर देर तक न बैठें। हर 30-60 मिनट में ब्रेक लेकर थोड़ा चलें-फिरें। हेल्दी वेट मेंटेन रखें। रोज 7-9 घंटे की क्वालिटी नींद लें। स्ट्रेस कम करने के लिए योग और मेडिटेशन करें। स्मोकिंग और तंबाकू से बचें। शराब न पिएं। रेगुलर ब्लड शुगर मॉनिटर करें और डॉक्टर की दी सभी दवाएं समय पर लें। रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाते रहें।

मानसून में बढ़ रहे कीड़े और कॉकरोच,10 सावधानी रखेंगे तो कीड़े नहीं आएंगे,जानें 7 घरेलू उपाय

जयपुर। गर्मी के बाद बारिश का मौसम राहत लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में नमी और सीलन बढ़ती है और

जगह-जगह पानी जमा हो जाता है। कीड़ों के पनपने के लिए ये स्थितियां अनुकूल हैं। यही कारण है कि बारिश में घरों में कीड़े, कॉकरोच और मच्छर भी बढ़ जाते हैं। अगर किचन और घर की साफ-सफाई पर ध्यान न दिया जाए, तो ये मच्छर और कॉकरोच तेजी से फैल सकते हैं। इससे सिर्फ गंदगी ही नहीं होती, बल्कि फूड कंटैमिनेशन और कई तरह के संक्रमण का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए आज खबर' में मानसून में बढ़ते मच्छरों और कीड़ों की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- किन गलतियों से घर में कीड़े-कॉकरोच बढ़ते हैं? इनसे बचाव के आसान और घरेलू तरीके क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः तौफीक मजूमदार, मैनेजिंग डायरेक्टर, PQGS पेस्ट कंट्रोल, बेंगलुरु, डॉ. रोहित शर्मा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मानसून में कीड़े और कॉकरोच क्यों बढ़ जाते हैं? जवाब- इसकी कई वजहें होती हैं। इन्हें पॉइंटर्स में समझिए- मानसून में नमी, हल्की गर्मी और सीलन होती है। यह कीड़ों-मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल है। बारिश के दौरान नालों, बिलों, दरारों और मिट्टी के अंदर पानी भर जाता है। इसलिए कीड़े अपने प्राकृतिक ठिकानों से निकलकर सुरक्षित जगह की तलाश में घरों में आ जाते हैं। घर के किचन, बाथरूम और सीलन वाले कोनों में इन्हें भोजन, पानी और छिपने की सुरक्षित जगह मिल जाती है। इस मौसम में कचरा और बचा हुआ खाना जल्दी सड़ता है, जिसकी गंध भी कीड़े-मकोड़ों और कॉकरोचों को आकर्षित करती है। सवाल- कौन-कौन से कीड़े मानसून में ज्यादा दिखते हैं? जवाब- मानसून में नमी और पानी जमा होने की वजह से कई तरह के कीड़े तेजी से पनपते हैं। मानसून में बढ़ता इन कीड़ों का प्रकोपः- मच्छर, कॉकरोच, चींटियां, मक्खियां, दीमक, मकड़ी, सिल्वरफिश, कनखजूरा। सवाल- किन फूड्स से कॉकरोच और कीड़े सबसे ज्यादा आकर्षित होते हैं? जवाब- वे ऐसे फूड्स की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं, जिनमें नमी, तेल, तेज गंध या मीठापन हो, जैसेकि- चीनी, गुड़, शहद, सिरप और मिठाइयां। बचा हुआ तला-भुना, ऑयली और मसालेदार भोजन। कटे या ज्यादा पके फल-सब्जियां। खुले में रखा पालतू जानवरों का भोजन। खुली ब्रेड, आटा, चावल और दूसरे अनाज। कूड़ेदान में पड़े खाने के अवशेष। कॉकरोच और दूसरे कीड़े मीठे, स्टार्च वाले और जल्दी सड़ने वाले खाने की ओर आकर्षित होते हैं। बचा हुआ खाना और गीला कचरा इनके पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं। इससे फूड कंटैमिनेशन और संक्रमण का रिस्क बढ़ता है। सवाल- ये कीड़े और कॉकरोच क्या सिर्फ गंदे घरों में ही आते हैं? जवाब- नहीं, उन्हें मुख्य रूप से भोजन, पानी और छिपने की जगह चाहिए। ये तीनों चीजें साफ घरों में भी मिल सकती हैं। हालांकि, गंदगी, खुले में रखा खाना और जमा कचरा उनके लिए ज्यादा अनुकूल है। सवाल- क्या एसी या कूलर चलाने से कीड़े कम होते हैं? जवाब- ऐसा जरूरी नहीं है। एसी या कूलर, दोनों का कीड़ों पर अलग-अलग असर होता है। एसी कमरे की नमी और तापमान कम करता है, जो कुछ कीड़ों के लिए अनुकूल माहौल नहीं है। कूलर में पानी इस्तेमाल होता है। इससे कमरे में नमी बढ़ सकती है, जो कुछ कीड़ों, खासकर मच्छरों के लिए अनुकूल है। अगर कूलर की नियमित सफाई न हो और पानी न बदला जाए, तो उसमें कीड़े पनपने का रिस्क भी हो सकता है। सवाल- कॉकरोच और कीड़ों से कौन-सी बीमारियां या इन्फेक्शन हो सकते हैं? जवाब- ये कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस और एलर्जेंस अपने साथ लेकर चलते हैं। ये खाने-पीने की चीजों को दूषित कर सकते हैं और सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं। बारिश के कीड़े फैलाते ये बीमारियांः-गैस्ट्रोएंटेराइटिस, टाइफाइड, फूड पॉइजनिंग, एलर्जी और अस्थमा ट्रिगर, डायरिया, स्किन इन्फेक्शन, पैरासाइट इन्फेक्शनआंख-कान में इन्फेक्शन, पेट में कीड़े, गैस्ट्रोएंटेराइटिस पेट और आंतों का इन्फेक्शन। सवाल- हमारी किन गलतियों के कारण घर में कीड़े और कॉकरोच आते हैं? जवाब- मानसून में कुछ गलतियां घर में कीड़े और कॉकरोच बढ़ा सकती हैं, जैसेकि- किचन, सिंक और बाथरूम में नमी रहना। कचरा और बचा हुआ खाना खुला छोड़ना। दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में दरारें होना। ड्रेनेज और नालियों की सफाई न करना। पुराना सामान और गंदगी जमा रखना। बाल्टी, कूलर और गमलों में पानी जमा होना। रात में बेवजह लाइट जलाए रखना। ये सभी स्थितियां कीड़ों को भोजन, नमी, छिपने की जगह और घर में प्रवेश का रास्ता देती हैं। सवाल- कीड़े घर में सबसे ज्यादा किन रास्तों से घुसते हैं? जवाब- ये आमतौर पर घर में नालियों और दरारों से प्रवेश करते हैं। इसके अलावा इन जगहों से घुस सकते हैं- दरवाजों और खिड़कियों से। दीवारों के क्रैक से। पाइपलाइन और ड्रेनेज के गैप से। बाथरूम और किचन सिंक के नीचे से। वेंटिलेशन के रास्ते से। एग्जॉस्ट फैन के आसपास की खाली जगह से। सवाल- मानसून में घर में कीड़े और कॉकरोच आने

से कैसे रोकें? जवाब- अगर समय रहते कुछ बेसिक सावधानियां रखी जाएं, तो इनके प्रवेश को काफी हद तक रोका जा सकता है। किचन साफ-सूखा रखें। कचरा रोज बाहर निकालें। डस्टबिन ढककर रखें। डस्टबिन रोज खाली करें। ड्रेनेज पाइप की सफाई रखें। दरारें और छेद सील करें। खिड़कियों पर जाली लगाएं। फूड कंटेनर एयरटाइट रखें। घर में अच्छा वेंटिलेशन रखें। अनावश्यक लाइट्स बंद रखें। सवाल- क्या ज्यादा इनसेक्ट स्प्रे यूज करना नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, इसे पॉइंटर्स से समझिए- स्प्रे में मौजूद केमिकल (कीटनाशक) के लगातार संपर्क से सांस लेने में तकलीफ, एलर्जी, स्किन में जलन और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों को रिस्क ज्यादा होता है। लंबे समय तक इन्हें यूज करने से घर के अंदर की हवा भी प्रदूषित हो सकती है। बार-बार एक ही स्प्रे यूज करने से कीड़े उसमें मौजूद रसायनों के प्रति रेजिस्टेंस विकसित कर लेते हैं। इससे स्प्रे का असर कम हो सकता है। सवाल- कीड़े और कॉकरोच को भगाने के घरेलू तरीके क्या हैं? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपाय इन्हें भगाने में काफी असरदार हो सकते हैं। कीड़े-कॉकरोच भगाने के घरेलू उपायः- नीम, तेजपत्ता, नेचुरल रिपेलेंट, कोनों मैं रखें / स्प्रे करें। बेकिंग सोडा शक्कर, गंध से कॉकरोच दूर रहते हैं। बोरिक पाउडर, नेचुरल ट्रैप, कॉकरोच खत्म करता है।

सिरका स्प्रे दरारों में डालें, असरदार कंट्रोल-लौंग-दालचीनी, सफाई और कीड़े दूर रखता है। गंध से छोटे कीड़े भागते हैं। पुदीना स्प्रे कीड़े कॉकरोच भगाने में मददगारा।

सवाल- प्रोफेशनल पेस्ट कंट्रोल कराना कब जरूरी है? जवाब- अगर सामान्य साफ-सफाई और घरेलू उपायों के बाद भी समस्या बनी रहे तो प्रोफेशनल पेस्ट कंट्रोल कराना चाहिए।खासकर जब- घर में बार-बार कॉकरोच या कीड़े दिखने लगें। किचन, बाथरूम या स्टोर रूम में इनकी संख्या बढ़ने लगे। अंडे, मल, काले दाग या बदबू जैसे संकेत दिखाई दें। कीड़ों की वजह से एलर्जी या सांस की परेशानी बढ़े। घर में नमी और ड्रेनेज की समस्या लगातार बनी रहे।बार-बार पूछे जाने वाले कॉमन सवाल-जवाबः- सवाल- क्या कॉकरोच बीमारी फैलाते हैं? जवाब- हां, यह अपने शरीर और पैरों पर बैक्टीरिया, वायरस और पैरासाइट लेकर चलते हैं। इससे फूड पॉइजनिंग, दस्त और संक्रमण का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- क्या कॉकरोच से एलर्जी या अस्थमा ट्रिगर हो सकता है? जवाब- हां, इनके मल, लार और शरीर के सूक्ष्म कण हवा में मिलकर एलर्जन की तरह काम करते हैं। जब ये कण सांस के जरिए शरीर में जाते हैं तो खांसी, छींक, सांस लेने में तकलीफ और अस्थमा अटैक तक हो सकता है। सवाल- कॉकरोच के अंडे कहां छिपे होते हैं? जवाब- आमतौर पर अंधेरी, गर्म और नमी वाली जगहों में होते हैं। सवाल- क्या सिर्फ सफाई से कॉकरोच खत्म हो सकते हैं? जवाब- नहीं, लेकिन उनकी संख्या कंट्रोल करने में यह सबसे जरूरी कदम है। सफाई से उनके लिए फूड सोर्स कम हो जाते हैं। इससे उनका बढ़ना धीमा पड़ता है। सवाल- क्या कॉकरोच मारने वाले स्प्रे बच्चों और पालतू जानवरों के लिए सेफ हैं? जवाब- नहीं, इनमें अक्सर पाइरेथ्रॉइड जैसे केमिकल होते हैं। इनके सीधे संपर्क, ज्यादा मात्रा या बंद कमरे में यूज करने से सांस की तकलीफ, एलर्जी, आंखों और स्किन में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं। लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी प्रयास है। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की है। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच की तत्काल आवश्यकता है। अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वे जलवायु परियोजनाओं की पहचान, विकास और क्रियान्वयन कर सकें। साझेदारी से इन जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। सिटी क्लाइमेट फाइनेंस गैप फंड- जिसे जीसीओएम और विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है- पहले ही ऐसी परियोजनाएं विकसित करने में शहरों को सहायता दे रहा है, जो निवेश को आकर्षित कर सकें और आबादी को लाभ पहुंचा सकें। पिछले कुछ वर्षों में इसने 1,400 से अधिक शहरों को जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्रवाई में बदलने में सहायता प्रदान की है। राष्ट्रीय सरकारें अब जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की क्षमता को तेजी से स्वीकार कर रही हैं। लेकिन इसे केवल शुरुआत माना जाना चाहिए। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग)

किसी दिन 'कोडी' कई बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होगा

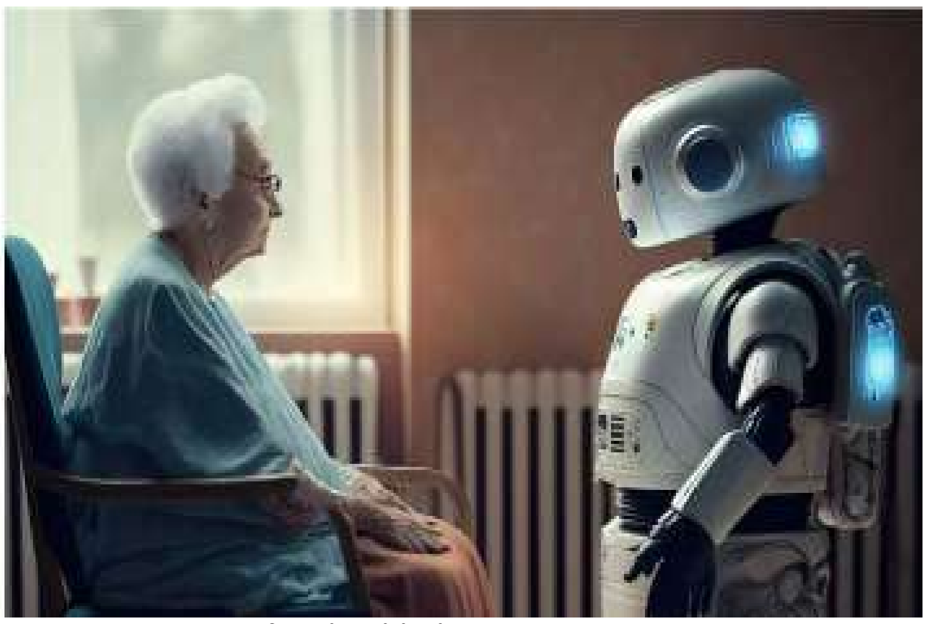

अगर आपकी उम्र 60 से ज्यादा है और आपकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं है, लेकिन आप किसी ओल्ड-एज होम में भी नहीं जाना चाहते हैं, और उसके बजाय अपने ही घर में रहना चाहते हैं तो ऐसा सोचने वाले आप अकेले नहीं हैं। अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में हुआ अध्ययन कहता है कि 95इ से अधिक बुजुर्ग मनोवैज्ञानिक फायदों के चलते हमेशा उसी घर में उम्र बिताना पसंद करते हैं, जहां दशकों से रहते आए हैं। दक्षिण कोरिया सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले देशों में एक है और पिछले साल वह 'सुपर-एज्ड सोसाइटी' बन गया। लेकिन उन लोगों का क्या होगा, जिनके बच्चे दूसरे शहरों में या विदेश चले गए हैं या शादी के बाद आपके घर से चले गए? उनकी जगह 'कोडी' लेगा। सोच रहे हैं कि 'कोडी' कौन है? तो आगे पढ़िए। हम इंसान जहां चंद महीने में बच्चों को जन्म दे सकते हैं, जो बड़े होकर हमारी देखभाल करते हैं, वहीं 'कोडी' के पैरेंट्स को उसे दुनिया के सामने लाने में लगभग तीन साल लग गए। इंसानी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए 'कोडी' का विचार क्रिस कुडिया और बेन गोर्टजेल के दिमाग में आया था। 'कोडी' का मुस्कराता हुआ चेहरा है, हालांकि उसकी चमकीली भूरी आंखें आपको असहज कर सकती हैं। उसका तीन फीट का फ्रेम, शरारती मुस्कान के साथ चेहरे के दोस्ताना भाव उसे सहज बनाते हैं। हां, वह अमेरिका के सिएटल की कंपनी 'माइंड चिल्ड्रन' का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। 11 जून को उसने अमेरिकी अखबार को इंटरव्यू दिया। उससे पूछा गया कि उसके सामने क्या है। बच्चों जैसी आवाज में उसने तुरंत कहा कि 'स्क्रीनों वाला एक वर्कप्लेस, जहां कुछ नोट्स और रोजमर्रा की चीजें हैं। यह किसी क्लासिक लैब जैसा सेटअप दिखता है, जो विचारों को जीवन में उतारने की अच्छी जगह जैसा लगता है।' हालांकि आज वह चाय का कप भी नहीं उठा सकता, लेकिन वह आश्वस्त है कि अगले 10 साल में वह सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ कर पाएगा। वह कहता है, 'शायद तब तक मैं एलेवेटर के दरवाजे भी खोल सकूंगा।' उसके को-फाउंडर्स को भी भरोसा है कि यह रोबोट स्कूलों, अस्पतालों, होटलों और घरों का हिस्सा बनेगा। लोगों को सीखने, जुड़ने और कम अकेलापन महसूस करने में मदद करेगा। लेकिन को-फाउंडर्स का मानना है कि उससे पहले 'कोडी' को कई बाधाएं पार करनी होंगी। 'माइंड चिल्ड्रन' कंपनी ने इसके विकास के अगले चरण के लिए क्राउडफंडिंग शुरू कर दी है। उसे उम्मीद है कि एक बार लॉन्च होने पर वह इसे इतना सस्ता बना देगी कि अकेले रहने वाले वयस्क इसे खरीद सकें। जब भी ऐसी नई तकनीक बाजार में आती है तो शुरू में वह बेहद अमीर लोगों का खिलौना बन जाती है। आज कुछ होम-रोबोट 20 हजार डॉलर में बिक रहे हैं, लेकिन को-फाउंडर्स चाहते हैं कि 'कोडी' की कीमत 10 हजार डॉलर ही हो। दोनों को भरोसा है कि वे 'कोडी' के ऐसे इस्तेमाल के बेहद करीब है, जहां वह बुजुर्गों की देखभाल कर सके और उनके अकेलेपन से लड़ सके। होटलों और आर्ट गैलरियों में इसकी पायलट स्टडी चल रही है, ताकि इसके विकास के लिए जरूरी डेटा जुटाए जा सकें। फिर 2027 में 'कोडी' का दूसरा संस्करण तैयार किया जाएगा। ऐसे विश्व में, जहां ह्यूमनॉइड मशीनें दुनिया की समझ से भी तेज गति से बढ़ रही हैं, यह हैरानी की बात नहीं होगी कि आने वाले वर्षों में बच्चों से दूर रहने वाले पैरेंट्स या निःसंतान लोगों को 'कोडी' जैसे रोबोट उपहार में दिए जाने लगें। 'कोडी' पहले से ही आंखों से आंखों का संपर्क करने और भावनात्मक स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने में बेहतर है। वह आसपास का माहौल भी समझता है। चंद और कदमों के बाद वह जीवनभर आपकी देखभाल करने वाला 'सौतेला बेटा' बन सकता है। ऐसा कितनी जल्दी होगा, उसके को-फाउंडर्स बता सकते हैं। महज 10 साल पहले ही क्या हमने कभी सोचा था कि 25 हजार रुपए की 'रूम्बा' मशीन हमारे घरों में झाड़ू-पोंछा करने वाली मेड की जगह ले लेगी? आज रूम्बा आधुनिक शहरी घरों, यहां तक कि मध्यमवर्गीय परिवारों में भी मौजूद है। मेड अब कुक बन कर ज्यादा कमाई कर रही हैं और मशीनें दिन के किसी भी समय बिना शिकायत अपना काम कर रही हैं। फंडा यह है कि आधुनिक मशीनें इंसानों द्वारा निर्मित खालीपन को भरने में पर्याप्त समझदार हो रही हैं। लेकिन क्या वे हमारी भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा कर पाएंगी? जवाब सिर्फ समय ही देगा। एन. रघुरामन

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर्स की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटर्स स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटर्स से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटर्स को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेर्नोबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटर्स की वजह में ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है।

5. गर्मी के उत्सर्जन और रैडिएशन की वजह से अमेरिका में डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से ग्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटर्स की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख्वाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटर्स की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटर्स में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

चुनावों में बेतहाशा खर्च भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है

चुनाव लड़ना एक महंगा काम है। भारत में लोकसभा या विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए पार्टियों को दो प्रमुख आवश्यकताएं होती हैं। पहली, अपने उम्मीदवार के चुनाव-प्रचार के लिए बड़े पैमाने पर धन जुटाना। दूसरी, अपनी सीटें बढ़ाने के लिए विपक्ष के उम्मीदवारों को अपने पक्ष में करना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पांच राष्ट्रीय और 21 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को दानदाताओं से आधिकारिक रूप से कुल 7,445 करोड़ रुपए मिले थे। यह चुनावी फंडिंग का वैध हिस्सा है। व्यावसायिक कंपनियों और व्यक्तियों के लिए दलों को डोनेट करने की अनुमति देने वाली विवादास्पद इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को फरवरी 2024 में उच्चतम न्यायालय ने निरस्त कर दिया था। लेकिन अधिकांश दलों ने इसका विकल्प तलाशने के तरीके विकसित कर लिए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद भी आंतरिक रूप से विभाजित तृणमूल कांग्रेस के बैंक खाते में 630 करोड़ से अधिक की राशि शेष होना यह दर्शाता है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान वैध और अवैध, दोनों प्रकार के धन का व्यापक प्रवाह होता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 7,445 करोड़ का आधिकारिक व्यय वास्तविक चुनावी खर्च का केवल एक छोटा हिस्सा है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज़ (सीएमएस) ने अनुमान लगाया है कि चुनाव की कुल लागत 1.35 लाख करोड़ रु. रही थी। यह 2004 के लोकसभा चुनाव में खर्च हुए 15,000 करोड़ की तुलना में 900फीसदी अधिक है। यह 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर हुए 1.2 लाख करोड़ रु. के खर्च से भी अधिक है। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय की है। प्रत्येक सांसद कानूनी रूप से अधिकतम 95 लाख तक खर्च कर सकता है, जबकि विधायकों के लिए यह सीमा 28 लाख से 40 लाख के बीच है। लेकिन दलों के चुनावी खर्च पर सीमा नहीं है। इन अनुमानों के आधार पर, 2024 के लोकसभा चुनाव में अवैध फंडिंग 1 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक रही। यह धन कंपनियों, रियल एस्टेट डेवलपर्स और अन्य स्रोतों से आया। ये जिन दलों को धन देते हैं, उनसे भविष्य में लाभ की अपेक्षा भी रखते हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में विनियमित पब्लिक अफेयर्स कमेटियां (पीएसी) सीनेट और प्रतिनिधि सभा के उम्मीदवारों के चुनाव अभियानों में बड़ी मात्रा में धन लगाती हैं। अमेरिकन इजराइल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) जैसे प्रभावशाली फंडिंग ग्रुप्स किसी उम्मीदवार की चुनावी संभावनाओं को बना या बिगाड़ सकते हैं। एआईपीएसी दशकों से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और सीनेटर लिंडसे ग्राहम जैसे नेताओं को वित्तीय समर्थन देता रहा है।

अंतर केवल पारदर्शिता का है। हालांकि, अमेरिकी व्यवस्था में भी कार्टेल और विशेष हित समूहों का अवैध धन नकद के रूप में उम्मीदवारों तक पहुंचता है। भारत में चुनावों में नकद फंडिंग का अनुपात कहीं अधिक है और यह व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। यद्यपि केंद्र स्तर पर भ्रष्टाचार यूपीए के फोन-बैंकिंग वाले दौर की तुलना में कम हुआ है, लेकिन राज्य और नगर निकाय स्तर पर भ्रष्टाचार बढ़ा है। सरकार इससे अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकती। हर स्तर पर चुनावी फंडिंग की आवश्यकता होती है। विधानसभा और नगर निगमों में बहुमत हासिल करने के लिए विपक्षी नेताओं को अपने पक्ष में करना भारी कीमत वसूलता है। लेकिन इस सबसे मतदाताओं के दो प्रमुख वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है। पहला, मध्यमवर्गीय करदाता और व्यापारी, जिन्हें लगता है कि उनके साथ अपेक्षित न्याय नहीं हुआ। दूसरा, जेन-जी युवा, जिनका मानना है कि सरकार ने रोजगार सृजन के लिए बहुत कम किया है। ये दोनों वर्ग मुख्यतः सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों पर ही अधिक मुखर हैं। अधिकांश भारतीय इस बढ़ते असंतोष से अप्रभावित हैं। लेकिन सरकार उन्हें हल्के में नहीं ले सकती। राम मंदिर की दानपेटी की चोरी की घटना एक चेतावनी है। भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर के मुद्दे पर सत्ता तक पहुंची थी।

यदि भ्रष्टाचार का दाग भगवान के घर तक पहुंचता दिखाई देता है, तो भाजपा के किले की नींव कमजोर पड़ सकती है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी अनेक संकटों का सामना कर चुके हैं- कोविड, टैरिफ, युद्ध आदि। लेकिन भ्रष्टाचार अनेक सिरों वाले राक्षस की तरह है। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले उस पर नियंत्रण पाना मोदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)

भारतवंशी बिजनेसमैन ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति से 425 करोड़ ठगे

सीआईए एजेंट बताकर प्रेसिडेंट का भरोसा जीता, बोला- 36 फाइटर प्लेन, मिलिट्री सिस्टम दिला दूंगा

नयी दिल्ली। अमेरिका में धोखाधड़ी के मामलों का सामना

कर रहे भारतवंशी कारोबारी गौरव श्रीवास्तव पर अब इंडोनेशिया में भी बड़े फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। ओसीसीआरपी और इंडोनेशियाई मैगजीन टेम्पो की रिपोर्ट के मुताबिक, गौरव ने खुद को सीआईए एजेंट बताकर

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो (तब रक्षा मंत्री) का भरोसा जीता और रक्षा सौदों के नाम पर 425 करोड़ रुपए का फर्जी कर्ज मंजूर करा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, गौरव ने 36 एफ-15 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और मिलिट्री कमांड सिस्टम दिलाने का दावा किया। जांच में पता चला कि जिन चार कंपनियों के जरिए उसने पांच रक्षा सौदे हासिल किए, वे सभी शेल कंपनियां थीं।

बाद में टैक्स नहीं चुकाने पर इन्हें बंद कर दिया गया। सिर्फ 36 एफ-15 लड़ाकू विमानों की संभावित डील ही करीब 1.32 लाख करोड़ रुपए की थी। बताया गया है कि यह कथित फर्जीवाड़ा 2020 से 2022 के बीच हुआ। आरोप है कि इसी रकम से गौरव ने लॉस एंजिलिस में करीब 208 करोड़ रुपए का आलीशान बंगला खरीदा। अमेरिका में उसके खिलाफ 2024 से धोखाधड़ी समेत कई मामले दर्ज हैं। प्रबोवो गौरव को 'मिस्टर उ' बुलाते कहते थेः-रिपोर्ट के मुताबिक गौरव ने प्रबोवो का इतना भरोसा जीत लिया था कि वे उसे 'मिस्टर जी' कहकर बुलाते थे। उसने राष्ट्रपति के निजी जीवन से जुड़ी ऐसी जानकारियों का भी इस्तेमाल किया, जो केवल उनके करीबी लोगों को पता थीं। इनमें यह बात भी शामिल थी कि प्रबोवो अपने घर के मकड़ी के जालों को प्रकृति का हिस्सा मानते हैं और उन्हें साफ नहीं कराते।

गौरव ने यह भी दावा किया कि उसने 2002 के बाली बम धमाकों के आतंकियों को पकड़वाने और प्रबोवो का नाम अमेरिकी इमिग्रेशन की ब्लैकलिस्ट से हटवाने में मदद की थी। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको सिराइत ने कहा कि जिन रक्षा सौदों पर बातचीत हुई थी, वे आखिरी समझौते तक नहीं पहुंचे थे। इसलिए सरकार को कोई सीधा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। खुद को बाइडेन का करीबी बताता था गौरवः-अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स और अदालत में दायर मुकदमे के मुताबिक गौरव

श्रीवास्तव खुद को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन, सीनेटर चक शूमर और कई सैन्य अधिकारियों का करीबी बताता था। वह इन नेताओं और अधिकारियों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर लोगों को यकीन दिलाता था कि उसकी पहुंच अमेरिकी सत्ता और सुरक्षा तंत्र के टॉप तक है। हालांकि, बाद में आईं रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इन नेताओं तक उसकी पहुंच किसी सरकारी भूमिका की वजह से नहीं, बल्कि राजनीतिक चंदे, सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों के जरिए बनी थी। मुकदमे में आरोप है कि गौरव ने इसी छवि का इस्तेमाल कर कई कारोबारियों और विदेशी अधिकारियों का भरोसा जीता। सीआईए एजेंट बताकर सुनाता था जेम्स बॉन्ड जैसी कहानियांः-अमेरिका में दायर केस के मुताबिक गौरव श्रीवास्तव खुद को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का 'नॉन-ऑफिशियल कवर (एनओसी)' एजेंट बताता था। लोगों का भरोसा जीतने के लिए वह जासूसी मिशनों से जुड़ी कई कहानियां सुनाता था।गौरव दावा करता था कि उसने सीआईए के ट्रेनिंग सेंटर 'द फार्म' में विशेष प्रशिक्षण लिया है।

वह अपने शरीर पर मौजूद निशानों को गुप्त ऑपरेशन के दौरान लगी चोट बताता था। इसके अलावा वह कहता था कि 2008 में कांगो में एक मिशन के दौरान घ्घ्ए ने उसे बंधक बना लिया था, जहां से वह किसी तरह बच निकला। हालांकि, मुकदमे में कहा गया कि ये सभी दावे झूठे थे।

जांच में सामने आया कि उसके शरीर पर मौजूद निशान किसी गुप्त मिशन के नहीं, बल्कि बचपन में हुई किडनी की सर्जरी के थे।

पीएम मोदी के लिए लगेगा रु2 करोड़ का टेंट, चंडीगढ़ में 17 जुलाई को प्रस्तावित दौरा- एक ही दिन में 8 टेंडर जारी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

कार्यक्रम पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया जाना है। इसके लिए सोमवार को प्रशासन के विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों ने एक ही दिन में 8 अलग-अलग टेंडर जारी किए। इनमें सबसे बड़ा टेंडर करीब 2.02 करोड़ रुपए का है, जो टेंट और कार्यक्रम स्थल पर अस्थायी व्यवस्थाओं के लिए जारी किया गया है। इसके अलावा लाइटिंग, बिजली, कैमरे और अन्य सुविधाओं के लिए भी अलग-अलग टेंडर निकाले गए हैं। चंडीगढ़ दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तैयार किए गए कालका, मोहाली, अंब अंदौरा और आनंदपुर साहिब समेत चार आधुनिक रेलवे स्टेशनों को भी समर्पित किया जाएगा। प्रधानमंत्री चंडीगढ़ से इन स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। 3 पॉइंट्स में जानें पीएम मोदी के दौरे को लेकर खास इंतजामः-एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी लगाया जाएगाः सबसे बड़े टेंट टेंडर के तहत कार्यक्रम स्थल पर करीब 6000 वर्ग मीटर का वाटरप्रूफ जर्मन हैंगर लगाया जाएगा। बारिश की संभावना को देखते हुए इसे तैयार किया जा रहा है, ताकि खराब मौसम में भी कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किया जा सके। पूरे पंडाल को ठंडा रखने के लिए 600 टन क्षमता का एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा। वाटर कूलर और 24 पोर्टेबल टॉयलेट लगाने की व्यवस्थाः कार्यक्रम में आने वाले वीआईपी और प्रधानमंत्री के लिए एसी युक्त लाउंज, बैठक व्यवस्था, कारपेट, फर्नीचर और बैरिकेडिंग सहित अन्य इंतजाम किए जाएंगे। इसके अलावा 2200 सोफे, 300 कुर्सियां, 70 हजार वर्ग फीट कारपेट, 65 हजार वर्ग फीट बैरिकेडिंग, 20 वाटर कूलर और 24 पोर्टेबल टॉयलेट लगाने की व्यवस्था की जाएगी। 11 जनरेटर लगेंगे, 8 हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी से सुरक्षाः कार्यक्रम के लिए बिजली की व्यवस्था भी पूरी तरह सुनिश्चित की जाएगी। इसके तहत 11 जनरेटर (125 केवीए), 28 जनरेटर (250 केवीए) और एक 500 केवीए डीजी सेट लगाया जाएगा। सुरक्षा और सजावट के लिए 8 हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे, एलईडी लाइट्स, 4000 रंगीन गमले, बैरिकेडिंग और फायर सेफ्टी के इंतजाम किए जाएंगे। सभी टेंडर शॉर्ट नोटिस पर जारी किए गए हैं। कुछ टेंडर दो-तीन दिन में पूरे हो जाएंगे, जबकि अन्य एक सप्ताह के भीतर फाइनल कर दिए जाएंगे। इसके बाद चुनी गई एजेंसियां तुरंत काम शुरू करेंगी। आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीदः-रेलवे प्रवक्ता के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चंडीगढ़ दौरे की आधिकारिक सूचना अभी पीएमओ से आनी बाकी है। हालांकि, रेलवे ने अपने स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। इन चारों स्टेशनों के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ-साथ स्थानीय पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों ने सोमवार को इन स्टेशनों पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का चरणबद्ध तरीके से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। क्या सुविधाएं मिलेंगीः-इन स्टेशनों के पुनर्विकास के दौरान आधुनिक यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। बेहतर वेटिंग हॉल, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, हाई स्पीड वाई-फाई, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, डिजिटल पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मुफ्त वाई-फाई और बेहतर प्रकाश व्यवस्था विकसित की गई है। स्टेशन परिसर में पार्किंग, सर्कुलेटिंग एरिया और शहर के दोनों ओर से बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी व्यापक कार्य किए गए हैं।

लोकल कल्चर-आर्किटेक्चर को बढ़ावाः- योजना की एक प्रमुख विशेषता स्थानीय संस्कृति और वास्तुकला को बढ़ावा देना भी है। इसी उद्देश्य से स्टेशनों के निर्माण में स्थानीय कला, विरासत और क्षेत्रीय पहचान को शामिल किया गया है, ताकि प्रत्येक स्टेशन अपने शहर और क्षेत्र की सांस्कृतिक छवि को दर्शा सके।ये स्टेशन केवल यात्रा के केंद्र नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भी विकसित किए जा रहे हैं। अब तक 172 से अधिक स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से अन्य स्टेशनों का भी लोकार्पण किया जाएगा।

वायनाड में लैंडस्लाइड में 2 की मौत,गाड़ियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई दबे-2024 में यहां 400 मौतें हुई थीं

वायनाड। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश

के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश

के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों की जरूरत होगी। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था। मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के तहत मलप्पुरम को वायनाड से सुरंग (टनल) के जरिए जोड़ना है। टनल की लंबाई करीब लगभग 8.17 किमी है। इसकी लागत करीब रु2,100-2,200 करोड़ है। दो साल पहले भी वायनाड में एक के बाद एक तीन भूस्खलन हुए थे, जिसमें 400 से ज्यादा जानें चली गई थीं। वायनाड में लैंडस्लाइड की क्या वजह है वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल का 43फीसदी इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51फीसदी जमीन पर पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट में 700 से 2100 मीटर की ऊंचाई पर है। मानसून की अरब सागर वाली ब्रांच देश के वेस्टर्न घाट से टकराकर ऊपर उठती है, इसलिए इस इलाके में मानसून सीजन में बहुत ज्यादा बारिश होती है। वायनाड में काबिनी नदी है। इसकी सहायक नदी मनंतावडी 'थोंडारमुडी' चोटी से निकलती है। लैंडस्लाइड के कारण इसी नदी में बाढ़ आने से भारी नुकसान हुआ है। वायनाड में 2024 में सबसे बड़ा हादसा, 400 से ज्यादा की मौतः-वायनाड में 2 साल पहले सबसे बड़ा लैंडस्लाइड हादसा हुआ था। 30 जुलाई 2024 रात करीब 2 बजे से 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुईं। इस हादसे में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2019 में भी भारी बारिश के कारण इन्हीं इलाकों में लैंडस्लाइड हो चुकी हैं। उस हादसे में 17 लोगों की मौत हुई थी। 52 घर पूरी तरह तबाह हो गए थे। भारत का करीब 12.6फीसदी हिस्सा लैंडस्लाइड डेंजर जोन में आता हैः-भारत के करीब 12.6फीसदी भूभाग (लगभग 4.2 लाख वर्ग किमी) को लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्र माना जाता है। हिमालय और पश्चिमी घाट देश के सबसे संवेदनशील लैंडस्लाइड क्षेत्र हैं। भारत में जून से सितंबर (मानसून) के दौरान सबसे ज्यादा भूस्खलन होते हैं। 80फीसदी से ज्यादा लैंडस्लाइड भारी बारिश के कारण होते हैं। सड़क, सुरंग, बांध, खनन और जंगलों की कटाई जैसी मानवीय गतिविधियां भी भूस्खलन का खतरा बढ़ाती हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दार्जिलिंग सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। भारत में हर साल सैकड़ों लोगों की मौत भूस्खलन की घटनाओं में होती है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) देशभर में लैंडस्लाइड सस्प्टिबिलिटी मैप तैयार करता है, ताकि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते चेतावनी दी जा सके।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटने से आई बाढ़,पहाड़ से गिरे मिट्टी और मिट्टी से घर-दुकानें हुईं बर्बाद

भोपाल/जयपुर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सड़कों पर कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेंगे। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया। बालाघाट में महाराष्ट्र सीमा से लगी बाघ नदी उफान पर आने से किरनापुर-लांजी मार्ग पर पुल निर्माण में लगी कार, जेसीबी और लोडर तेज बहाव में बह गए।

अपराध का कोई जेंडर नहीं होता! जानिए कैसे रिश्तों में छिपा भावनात्मक शोषण और लालच ले लेता है जान

नयी दिल्ली। हाल ही में दो अलग-अलग तरह की घटनाएं हमारे सामने आईं। एक मामले में एक युवती ने अपने मंगेतर के साथ प्यार, विश्वास और प्रतिबद्धता का दिखावा करते हुए उसकी हत्या कर दी। वहीं दूसरी ओर, एक नवविवाहिता की संदिग्ध मृत्यु ने दहेज, मानसिक प्रताड़ना और विषाक्त पारिवारिक संबंधों जैसे गंभीर मुद्दों को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया। इन घटनाओं को केवल 'पुरुष ग़लत हैं' या 'महिलाएं ग़लत हैं' के नज़रिए से देखना शायद सबसे बड़ी भूल होगी। अपराध का कोई जेंडर नहीं होता। चालाकीभरा नियंत्रण, लालच, भावनात्मक शोषण, दूसरों को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति और क्रूरता किसी भी व्यक्ति में हो सकती है। इसलिए हमें व्यक्ति के जेंडर पर नहीं, बल्कि उसकी सोच, भावनात्मक अपरिपक्वता और व्यवहार पर बात करनी होगी। इस बारे में जब हमने कोमल करे जोशी, रिलेशनशिप एवं इमोशनल इंटेलिजेंस कोच से बात की तो उन्होंने ये वजहें बताईं साथ ही रिश्ते को मजबूत कैसे रख सकते है। इस पर भी चर्चा की-यह है रिश्ते टूटने की वजहः-अधिकांश रिश्ते संवाद की कमी से नहीं, बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी से टूटते हैं। जब व्यक्ति अपनी भावनाओं को समझना, व्यक्त करना और नियंत्रित करना नहीं सीखता, तब ग़लतफ़हमियां, आक्रोश, नियंत्रण की भावना और कई बार विनाशकारी निर्णय जन्म लेते हैं। हम बच्चों को अच्छी शिक्षा, सफल व्यावसायिक जीवन और सामाजिक प्रतिष्ठा तो देना चाहते हैं, लेकिन अपनी भावनाओं को पहचानना, अस्वीकृति को संभालना, गुस्से को नियंत्रित करना, रिश्तों में मतभेद सुलझाना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना नहीं सिखाते। भावनात्मक दबाव में होता है ग़लत निर्णयः-कई बार युवा लगातार भावनात्मक दबाव, अपमान, अस्वीकृति या पारिवारिक तनाव का सामना करते हैं। ऐसे में कुछ लोग ग़लत क़दम उठा लेते हैं, क्योंकि उन्हें अपने कार्यों के दीर्घकालिक परिणामों का अंदाज़ा नहीं होता। यह उनके व्यवहार का समर्थन नहीं है, बल्कि उस मानसिक स्थिति को समझने का प्रयास है जिसमें व्यक्ति सही और ग़लत का विवेक खो देता है। परिवार की भूमिका भी है महत्वपूर्णः-अक्सर जब बेटा/बेटी अपनी तकलीफ माता-पिता से साझा करता/करती है, तो उसे 'सब ठीक हो जाएगा', 'एडजस्ट करो' या 'समय के साथ सब बदल जाएगा' जैसी सलाह दे दी जाती है। लेकिन हर समस्या का समाधान यही नहीं होता। कई बार किसी व्यक्ति को सलाह नहीं, बल्कि एक ऐसा सुरक्षित माहौल चाहिए होता है जहां उसकी बात बिना किसी पूर्वग्रह के सुनी जाए। सुनना भी एक प्रकार का भावनात्मक सहयोग है, और कई बार यही सहयोग किसी को टूटने से बचा सकता है। इस समझ से बनते हैं स्वस्थ रिश्तेः-इन मामलों को देखकर यह स्पष्ट है कि पैसा, डिग्री और प्रतिष्ठा भावनात्मक परिपक्वता की गारंटी नहीं हैं। साथ ही, ऐसे मामलों में किसी एक जेंडर का पक्ष लेने की नहीं, बल्कि स्वस्थ रिश्तों, भावनात्मक शिक्षा, सहानुभूति और खुले संवाद को बढ़ावा देने की ज़रूरत है। हमें केवल अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर और वकील नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से स्वस्थ इंसान भी तैयार करने होंगे- क्योंकि जब संवाद खत्म हो जाता है, संवेदनशीलता कम हो जाती है और भावनाएं अनियंत्रित हो जाती हैं, तब केवल रिश्ते नहीं टूटते, ज़िंदगियां भी टूट जाती हैं। दिमाग़ खुला रखें और इन संकेतों को पहचानेंः-1 सुरक्षा का ध्यान-कई बार रिश्तों में कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं जिन्हें हम 'इत्तेफ़ाक' या 'छोटी बात' समझकर टाल देते हैं। लेकिन अगर बार-बार आपका साथी आपको नुक़सान पहुंचाने की कोशिश करे, आपकी सुरक्षा को हल्के में ले, असुरक्षित महसूस कराए या उसके व्यवहार में लगातार असामान्य बदलाव दिखाई दें, तो उन्हें नज़रअंदाज़ न करें। ऐसे संकेत कई बार चेतावनी हो सकते हैं, जिन्हें समय रहते पहचानना बेहद ज़रूरी है। 2 टालना ठीक नहींः-अगर रिश्ते में लगातार अपमान, डर, नियंत्रण, झूठ या मानसिक प्रताड़ना महसूस हो रही है, तो उसे 'समय के साथ सब ठीक हो जाएगा' सोचकर न टालें।3 बात मन में दबाकर न रखें-कई बार जब हम अकेले संघर्ष कर रहे होते हैं, तो हमारी भावनाएं हमारी सोच पर हावी हो जाती हैं और हम ऐसे फ़ैसले ले बैठते हैं जिनके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। लिहाज़ा, जब भी ज़िंदगी में कोई परिस्थिति बहुत कठिन लगने लगे तो कोई दोस्त, परिवार का सदस्य या सलाहकार अथवा कोच से बातचीत करें। 4 भावनाओं में बहकर फ़ैसला न लें-गुस्सा, प्रतिशोध, निराशा या मन के बिखरने की स्थिति में लिया गया फ़ैसला अक्सर ज़िंदगीभर का पछतावा बन सकता है। पहले खुद़ को समय दें और फिर निर्णय लें। आप क्या कर सकते हैं? कोई मदद मांगे तो उसे सुनिए.... हर समस्या का जवाब 'एडजस्ट कर लो' नहीं होता। कई बार किसी को सलाह नहीं, सिर्फ़ एक ऐसा इंसान चाहिए होता है जो उसे बिना दोष दिए सुन सके। मुश्किल संवादों को टालना संकट को आमंत्रित कर सकता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता को अहमियत दें... अपने बच्चों को सिर्फ़ सफल होना ही नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं को समझना, सम्मानपूर्वक रिश्ते निभाना, मतभेद सुलझाना और मुश्किल परिस्थितियों में सही निर्णय लेना भी सिखाइए। यही स्वस्थ समाज की सबसे मज़बूत नींव है।

धर्मेंद्र की आखिरी इच्छा-बच्चों के साथ मिलकर रहें हेमा मालिनीःसनी-बॉबी पर कहा- हम पब्लिसिटी नहीं करते, हम परिवार हैं

मुंबई। लीजेंड्री एक्टर धर्मेंद्र के निधन के कुछ महीनों बाद अब हेमा मालिनी ने उनकी आखिरी इच्छा पर बात की है। उन्होंने बताया कि निधन से कुछ समय पहले ही धर्मेंद्र ने उन्हें पास बुलाकर कहा था कि बच्चों से मिल-जुलकर रहना। हेमा मालिनी ने इस दौरान सौतेले बेटों सनी-बॉबी की तारीफ की और धर्मेंद्र के निधन की फर्जी खबर आने पर नाराजगी जाहिर की है। हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की कही हुई आखिरी बात पर हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में कहा, 'उन्होंने बिल्कुल यही कहा था कि साथ रहो, परिवार के हमेशा साथ रहो। सबको साथ लेकर चलना। हमेशा साथ रहो। जो भी काम हो, लेकिन साथ रहने को ही तवज्जो देना चाहिए।' सनी-बॉबी पर बात करते हुए हेमा मालिनी ने कहा है, 'वो दोनों बहुत अच्छे लड़के हैं। सनी बहुत अच्छा है, बॉबी बहुत अच्छा है। हम सभी हमेशा साथ हैं। हम पब्लिसिटी नहीं करते हैं। हमारा आपस में सब बहुत अच्छा एक जुड़ाव है। हम एक बहुत खुश परिवार हैं।' धर्मेंद्र के निधन की फर्जी खबर आने पर थीं नाराजः-धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर 2025 में हुआ। इससे पहले वो नवंबर के शुरुआती दिनों में अस्पताल में भर्ती थे। 10 नवंबर को उनके निधन की फर्जी खबरें आईं। इस समय हेमा मालिनी की बेटी ईशा ने इन खबरों पर नाराजगी जाहिर कर सोशल मीडिया पोस्ट शेयर की थी। अब हेमा मालिनी ने इन खबरों पर कहा है, 'नेचुरली नाराज तो होंगे न। फेक न्यूज आएगी तो कैसे संभालेंगे। वो पीरियड गुजर गया, निकल गया। वो आज हमारे साथ नहीं हैं, अब क्या बात करेंगे।' बातचीत में हेमा मालिनी ने बताया है कि धर्मेंद्र हमेशा से ही चाहने वालों के लिए मौजूद रहे। अगर उन्हें पता चलता कि कोई फैन घर के बाहर उनसे मिलना चाहता है तो झट से उसे घर बुलाकर उसके साथ तस्वीरें क्लिक करवाते थे। हेमा मालिनी ने ये भी बताया है कि धर्मेंद्र अपने ग्रैंडचिल्ड्रन से बहुत प्यार करते थे और उनके जाने के बाद बच्चे उन्हें बहुत याद करते हैं। धर्मेंद्र को मरणोपरांत मिला पद्मभूषण, सम्मान लेते हुए भावुक हुईं हेमा मालिनीः-मई 2026 में धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्मभूषण से सम्मानित किया गया है। हेमा मालिनी उनकी तरफ से ये सम्मान लेने पहुंचीं, जहां वो बेहद भावुक हो गईं। वहीं सेरेमनी में मौजूद उनकी बेटी अहाना आंसू रोक नहीं सकीं। हेमा मालिनी ने पद्म पुरस्कार समारोह की तस्वीरों के साथ आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा था- 'एक बेहद भावुक और खुशी से भरा पल, ऐसा पल जब मुझे सच में अपने पति धरम जी की गर्मजोशी भरी मौजूदगी महसूस हुई, जैसे वह मेरा हाथ थामकर मुझे उस मंच तक ले जा रहे हों, जहां उनका पद्म विभूषण सम्मान उनका इंतजार कर रहा था।' आगे उन्होंने लिखा है, 'कल शांत और गरिमामयी पद्म पुरस्कार समारोह में, जब महामहिम राष्ट्रपति जी स्वयं सभी योग्य सम्मानित लोगों को पुरस्कार दे रही थीं, तब मैं धरम जी की ओर से वहां मौजूद थी। उस पल मेरे भीतर गर्व की एक गहरी भावना उमड़ पड़ी। उनके साथ बिताए सालों की यादें ताजा हो गईं, पहले कई सफल फिल्मों में उनकी को-स्टार के रूप में और बाद में उनकी जीवनसंगिनी बनकर। इन यादों ने मेरी आंखों को नम कर दिया।' हेमा मालिनी ने आगे भावुक होकर लिखा, 'धर्मेंद्र एक बेहद प्यार करने वाले और ख्याल रखने वाले पति थे, स्नेही पिता और दादा थे, एक सच्चे दोस्त, अच्छे विचारों वाले इंसान, सच्चे मार्गदर्शक और भरोसेमंद साथी थे। धरम जी में ये सभी खूबसूरत गुण थे और उससे भी कहीं ज्यादा। वह एक उदार, नेकदिल और देने वाले इंसान थे, जिन्हें जानने वाला हर व्यक्ति उनसे प्यार करता था।' यादें आखिरी पल तक संजोकर रखूंगी- हेमा मालिनी-आखिर में हेमा मालिनी लिखती हैं, 'मैंने यह सम्मान विनम्रता के साथ अपने पूरे परिवार, उनके करोड़ों चाहने वालों और शुभचिंतकों की ओर से स्वीकार किया। मैं भगवान का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे इतना अद्भुत जीवनसाथी दिया, जिनकी यादें मैं अपनी जिंदगी के आखिरी पल तक संजोकर रखूंगी। ये मेरे दिल की सच्ची भावनाएं हैं, जो देश के दूसरे सबसे बड़े सम्मान 'पद्म विभूषण' को धरम जी की ओर से प्राप्त करते समय उमड़ पड़ीं।' बेटी ईशा देओल भी हुईं भावुकः-हेमा मालिनी के अलावा ईशा देओल ने भी भावुक पोस्ट लिखी है। उन्होंने लिखा,'गर्व का एक पल, भावनाओं से भरा एक पल। हम कितनी गहराई से चाहते थे कि आज वह हमारे बीच मौजूद होते, अपनी सफेद शर्ट और नीले सूट में हमेशा की तरह बेहद हैंडसम दिखते हुए, एक छोटे बच्चे जैसी उत्सुकता के साथ यह प्रतिष्ठित सम्मान लेने जाते। कल जब मेरी मा ने हमारे परिवार की ओर से यह सम्मान स्वीकार किया, और हम सभी छह बच्चों की तरफ से सबसे छोटी अहाना वहां मौजूद थी, तब उसकी आंखों में आंसू थे और हाथों में तालियां, अपने पिता के सम्मान में।' 24 नवंबर 2025 को धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। वो लंबे समय से बीमार चल रहे थे। धर्मेंद्र के निधन के बाद से ही हेमा मालिनी उन्हें याद कर भावुक पोस्ट और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। बता दें कि हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने 30 से ज्यादा फिल्मों में साथ काम किया है। फिल्मों में आने से पहले ही धर्मेंद्र शादीशुदा थे। उनकी शादी कम उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी, जिससे उन्हें 4 बच्चे सनी, बॉबी, अजेता, विजेता हुए। शादीशुदा होने के बावजूद हेमा मालिनी से शादी करने के लिए धर्मेंद्र ने इस्लाम कबूल किया और उनसे दूसरी शादी की। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा और अहाना हैं।

बेटी का घर बसाने से पहले माता-पिता रखें इन बातों का ध्यान,एनसीआरबी के आंकड़े दे रहे हैं चेतावनी

नयी दिल्ली। बेटी के सपनों को पंख देकर ही माता-पिता उसका भविष्य नहीं बनाते, उसकी इस परवाज़ का शादी के बाद भी कायम रहना ज़रूरी है। घर की परी, दूसरे घर जाकर भी वही स्नेह व मान पाए, तो कहा जाएगा कि बेटी का घर बस गया। पायल चौरसिया जो कि मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता हैं उनका कहना है कि इसके लिए माता-पिता को कुछ अहम क़दम ही होंगी- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में दहेज मृत्यु के 5,737 मामले दर्ज किए गए। अर्थात दहेज से जुड़ी हिंसा, उत्पीड़न और प्रताड़ना के कारण औसतन प्रतिदिन लगभग 16 महिलाओं की जान गई। नवविवाहिताओं को दहेज के नाम पर प्रताड़ित किए जाने, उनके साथ घरेलू हिंसा होने या उनकी शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना की ख़बरें रोज़ ही सुनने-पढ़ने को मिल जाती हैं। इन्हें 'किसी और की बेटी' के साथ हुई घटना मानकर चर्चा की जाती रही है। लेकिन चंद हालिया मामलों में पहली बार 'दूसरे की बेटी' वाली बात माता-पिता के सामने यक्ष प्रश्न बनाकर रख दी गई। शादी से पहले ठीक से पड़ताल क्यों नहीं की? यह सवाल विराट रूप धरकर सामने आया है। बेटियों को पराया समझकर, बोझ की तरह 'दान' कर देना अब स्वीकारा नहीं जा सकता। पीढ़ियों के बीच वैचारिक अंतर की भी एक अद्भुत मिसाल इस दौर में देखने को मिल रही है। सामंजस्य बिठाकर चलने की जो महती ज़रूरत विवाह संस्था में होती है, उसको अब कई घटकों की नापतौल से देखा जाता है। यह बात दोनों पक्षों के माता-पिता जानते हैं। इसलिए ध्यान तो दोनों को ही बढ़ाना है। विवाह से किसी एक का जीवन पूरी तरह बदले और दूसरा सुविधा से अपने ढर्रे पर चलता रहे, यह अब मुमकिन नहीं है। मिलकर भविष्य बनाना है, तो बदलाव भी साझे होने चाहिए। इंसान पर पारिवारिक माहौल व परवरिश का गहरा असर पड़ता है। कोई बदल जाएगा, इसकी आशा रखना समझदारी नहीं है।इस सत्य की रोशनी में बेटियों के माता-पिता को अपने लिए दामाद तलाशते समय तथा शुरुआती रस्मों के दौरान भी चंद पहलुओं पर ग़ौर करना चाहिए- व्यवहार और सोच से तय करें रिश्ते- जब आप लड़के और उसके परिवार से मिलते हैं, तो बातचीत के दौरान कुछ ऐसे संकेत मिल सकते हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। अहंकार या श्रेष्ठता का भावः-यदि बातचीत के दौरान परिवार बार-बार अपनी संपत्ति, सामाजिक प्रतिष्ठा, शिक्षा या प्रभावशाली परिचितों का उल्लेख करे और स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास करे, तो यह संकेत हो सकता है कि वहां समानता और सम्मान की भावना का अभाव है। निर्णयों में लड़के की भूमिका न होनाः-यदि विवाह से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय केवल परिवार के सदस्य ले रहे हों व होने वाले दूल्हे की राय को कोई महत्व न दिया जा रहा हो, तो यह भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत हो सकता है। ऐसे माहौल में यह आशंका रहती है कि शादी के बाद भी वह अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से न ले पाएगा व ज़रूरत पड़ने पर जीवनसाथी का पर्याप्त साथ भी न दे सकेगा। असमानता और भेदभाव की सोचः-यदि परिवार यह मानता हो कि घर और बच्चों की ज़िम्मेदारी केवल महिला की है, या यह कहता हो कि 'हमारे यहां पुरुष घरेलू काम नहीं करते,' तो यह लैंगिक असमानता की सोच को दर्शाता है। ऐसी मानसिकता वैवाहिक जीवन में तनाव और संघर्ष का कारण बन सकती है। लेन-देन व व्यवस्थाओं पर अत्यधिक ज़ोरः-यदि शादी तय होने से पहले बार-बार लेन-देन, महंगे उपहारों, लग्ज़री कार या रिश्तेदारों के लिए विशेष व्यवस्थाओं की चर्चा हो रही हो, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसी तरह यह कहना भी संदेह पैदा करता है कि 'हमें कुछ नहीं चाहिए, आप जो भी देंगे आपकी बेटी के ही काम आएगा।' दोनों पक्ष रिश्ता शुरू करने से पहले रखें पारदर्शिताः-यदि लड़की नौकरी करती है, तो शादी से पहले इस बात पर खुलकर चर्चा कर लें कि वह घर और काम के बीच संतुलन को किस तरह देखती है। संयुक्त परिवार में रहने को लेकर लड़की की क्या सोच है, यह पहले ही जान लें। यदि उसे इस व्यवस्था को लेकर कोई संकोच या अलग अपेक्षाएं हैं, तो उन पर स्पष्ट बातचीत करें। लड़की की जीवनशैली, रहन-सहन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर भी चर्चा कर लें। शादी के बाद उससे क्या अपेक्षाएं होंगी, यह बात पहले से स्पष्ट कर देना उचित है। लड़की के स्वभाव, व्यक्तित्व और व्यवहार को समझने का प्रयास करें। यदि वह हंसमुख, आत्मविश्वासी और मिलनसार है, लेकिन परिवार अपेक्षाकृत चुप रहने वाली परंपरावादी बहू चाहता है, तो इस बारे में दोनों पक्षों को पहले से जानकारी होनी चाहिए। समझना है तो साथ समय बिताना होगाः-यदि संभव हो, तो दोनों परिवार किसी यात्रा या पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान कुछ समय साथ बिता सकते हैं। कई दिनों तक साथ रहने और विभिन्न परिस्थितियों में एक-दूसरे को देखने से लोगों के वास्तविक स्वभाव को समझना आसान हो जाता है। एक-दो दिन तक कोई भी स्वयं को नियंत्रित रख सकता है, लेकिन लंबे समय तक साथ रहने पर व्यक्तित्व की वास्तविक झलक सामने आ जाती है।

अंशुला कपूर की हुई रोहन ठक्कर से शादी,अर्जुन कपूर हुए भावुक, सौतेली बहनों जान्हवी-खुशी ने निभाईं रस्में, मंडप के पास रखी दिवंगत मां की तस्वीर

मुंबई। बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को रोहन ठक्कर से शादी कर ली है। शादी में कपूर परिवार के तमाम लोगों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। शादी ट्रेडिशनल हिंदू रीति-रिवाजों से हुई, जिसमें सौतेली बहनों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर ने भी रस्में अदा की हैं। वहीं बड़े भाई अर्जुन कपूर, अंशुला को मंडप तक लेकर आएः-शादी की तस्वीरों के साथ अंशुला ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 06.07.2026। इतने सारे लोगों में, इतनी सारी जगहों में और इतने सही-गलत वक्तों के बीच, वो तुम थे। और जिंदगी के हर मोड़, हर उतार-चढ़ाव और हर अनपेक्षित सफर के बाद भी। आज भी तुम ही हो। मेरी सबसे पसंदीदा बातचीत। मेरी सबसे सुकूनभरी जगह। मेरी सबसे आसान और सबसे खूबसूरत पसंद। हमेशा तुम ही रोहन ठक्कर। अर्जुन कपूर ने भी आज सुबह सोशल मीडिया से अंशुला के लिए भावुक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा, मेरी अंश के नाम, तुम हमेशा मेरी रहोगी, लेकिन अब वक्त आ गया है कि मैं तुम्हें नई राह पर जाने दूं। आज तुम रोहन के साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर रही हो। तुम्हें मुस्कुराते हुए देखकर मेरा दिल, मेरा मन और मेरी आत्मा बेहद खुश हैं। मैंने तुम्हें बचपन से बड़ा होते देखा है और आज तुम एक ऐसी शानदार महिला बन गई हो, जो हर कदम पर हमारी मां की छवि को अपने भीतर समेटे हुए है। आगे उन्होंने लिखा, कभी चिंता मत करना, क्योंकि मां हमेशा तुम्हें देख रही हैं और हर पल तुम्हें अपना आशीर्वाद दे रही हैं। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, हमेशा तुम्हारा साथ दूँगा और हमेशा यह सुनिश्चित करूंगा कि तुम्हारे चेहरे की मुस्कान कभी फीकी न पड़े। बहुत सारा प्यार, तुम्हारा अर्जुन भैया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।